राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्टेटमेन्ट टुडे

RNI No: UPHIN/2016/67528 StatementToday @statement_today

वर्ष 9 अंक 22 लखनऊ, सोमवार 06 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपये

उप्र की राजधानी लखनऊ से प्रकाशित एवं लखनऊ, गोरखपुर, बुन्देलखण्ड, पटना, सीवान, गोपालगंज, दिल्ली से प्रसारित

एक बाहरी व्यक्ति के रूप में आगे बढ़ना कितना 3

किसी भी टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं चले 6

बच्चों को निखार रहीं ये 9

दार्जिलिंग में बारिश से तबाही

भूस्खलन और पुल टूटने की घटना में 10 लोगों की मौत, राष्ट्रपति-पीएम ने जताया दुख

● हर संभव सहायता प्रदान करेंगेः पीएम मोदी ने दार्जिलिंग भूस्खलन में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया

कोलकाता,(एजेंसी)। दार्जिलिंग में लगातार भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। तेज बारिश के कारण बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुए, जिसमें अब तक 10 लोगों की मौत हो गई और कई गांवों से पूरी तरह से संपर्क कट गया है। वहीं राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना में हुई जनहानि पर दुख जताया है। उत्तर बंगाल में लगातार भारी बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त है। दार्जिलिंग जिले में हुए भूस्खलन और पुल टूटने की घटनाओं में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है और दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मिरिक और सुखिया क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण कई लोग हताहत हुए हैं। इस हादसे के बाद दार्जिलिंग जिला पुलिस राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। वहीं कालिम्पोंग में स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। लगातार बारिश से कई इलाकों का संपर्क टूट गया है और सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पीएम मोदी ने जनहानि पर जताया दुख प्रधानमंत्री मोदी ने दार्जिलिंग में पुल ढहने की घटना पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा– दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान–माल की हानि से अत्यंत दुःखी हूं।

- **मिरिक - दूधिया का लोहे का पुल**
  मिरिक और दूधिया के बीच लोहे का पुल टूटा। 9 लोगों की मौत।
- **मिरिक - सुखिया इलाका**
  सुखिया क्षेत्र में चार लोगों की मौत। कई घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।
- **दारा गांव, मिरिक के पास**
  एक घर पर मिट्टी का पहाड़ गिर पड़ा। जानमाल का नुकसान।
- **दिलाराम**
  दिलाराम सड़क धंस गई। गाड़ियों का आना-जाना पूरी तरह से बंद।
- **रोहिणी रोड**
  रोड का हिस्सा टूटकर नदी में समा गया। रास्ता बंद हुआ।
- **बिजनबाड़ी और पुलबाजार इलाका**
  बिजनबाड़ी और पुलबाजार में लैंडस्लाइड। गाड़ियां मलबे में दबीं।
- **व्हिट्सल खोला**
  व्हिट्सल खोला क्षेत्र में भी लैंडस्लाइड। नेशनल हाईवे-110 बंद।

अखिलेश बड़े नेता, हम छोटी गली में रहने वाले खादिम- आजम खां

रामपुर। सपा मुखिया अखिलेश यादव के आठ अक्तूबर को रामपुर पहुंचने की तैयारी पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां ने अनभिज्ञता जताई है। कहा कि उन्हें जानकारी मीडिया के माध्यम से ही हुई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, बड़े लोगों का छोटी गली में रहने वाला यह खादिम खैर मकदम करता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह ठीक हैं। उनकी प्राथमिकता पहले सेहत है। सपा नेता आजम खां दिल्ली से स्वास्थ्य जांच कराकर वापस लौट आए हैं। वह पिछले तीन दिन से दिल्ली के अस्पताल में इलाज करा रहे थे। सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद इलाज के लिए वह दिल्ली चले गए थे। रविवार रात वह रामपुर लौट आए। सोमवार को वह जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे। उन्होंने छात्रों से मुलाकात की। इस बीच समाचार एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में सपा मुखिया अखिलेश यादव के 8 अक्तूबर को रामपुर आने के सवाल पर कहा कि हां, इसकी जानकारी मीडिया के जरिए हुई है। हम तो छोटी सी गली में रहते हैं। यहां पर कई फीट तक पानी भर जाता है। बड़े लोग आएंगे तो अच्छा लगेगा। हर बड़े आदमी का स्वागत है। उन्होंने सेहत को लेकर कहा कि उनकी सेहत ठीक नहीं है। पांच साल तक वह एक छोटी सी कोठरी में रहे। इससे सेहत पर असर तो होगा ही। दिल्ली चेकअप कराने गए थे। तबीयत पहले से बेहतर है।

अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की उड़ान की इमरजेंसी लैंडिंग

बर्मिंघम,(एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई117 की इमरजेंसी लैंडिंग बर्मिंघम हवाई अड्डे पर कराई गई है। जानकारी के मुताबिक उड़ान के दौरान विमान की रैम एअर टर्बाइन अचानक से खुल गई।

बिहार में एसआईआर सफलः ज्ञानेश कुमार

● अब इसे पूरे देश में कराएंगे, पोलिंग बूथों की 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की जाएगी

● चुनाव के बाद वोटर पुनरीक्षण का कोई मतलब नहींः मुख्य चुनाव आयुक्त

"EVM पर जो बैलेट पेपर होते हैं वो ब्लैक एंड व्हाइट होती थी, जिससे पहचान में दिक्कत होती है. इसलिए बिहार के चुनाव से अब सीरियल नंबर का फ्रॉन्ट और प्रत्याशियों की रंगीन फोटो (कलरफुल) होगा।

ज्ञानेश कुमार
मुख्य चुनाव आयुक्त

पटना,(एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पटना में संवाददाताओं से बात की। उन्होंने चुनाव और उसके पहले की प्रक्रिया पर बात की। भोजपुरी में बिहार के मतदाताओं का अभिवादन करते हुए देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पटना में कहा कि जिस तरह हम अपने पर्व–त्योहारों और विशेष रूप से लोक आस्था के महापर्व छठ को मनाते हैं, उसी तरह से बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान को उत्साह के साथ मनाएं। उन्होंने मतदान की तारीखों पर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन यह जरूर कहा कि 22 नवंबर से पहले चुनाव की पूरी प्रक्रिया संपन्न करा ली जाएगी। SIR पर उठाए सवालों का जवाब दिया मुख्य चुनाव आयुक्त ने जो प्रत्याशी खड़े हों, वह पोलिंग एजेंट्स जरूर दें। मॉक पोल अपनी आंखों के सामने जरूर देखने कहें। मतदान के खत्म होते समय पोलिंग एजेंट्स फॉर्म 17सी भी ले लें। जिन लोगों को नगर निगम ने मकान का कोई नंबर तय नहीं किया है, वहां एक ही मकान में कई लोगों के नंबर मतदाता सूची में दर्ज होने की आशंका रहती है। क्योंकि, कुछ चिह्नित करने के लिए बीएलओ यह करते हैं। चुनाव के पहले पुनरीक्षण हर बार होता है, इसलिए उसे चुनाव के बाद कराने की मांग का कोई अर्थ नहीं है। बिहार के एसआईआर में दावा–आपत्ति का पूरा अवसर दिया गया। इस प्रक्रिया की देखरेख के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपने बूथ लेवल एजेंट्स दिए थे। एसआईआर में अब भी समय है कि किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को ऐसा लगता है कि योग्य मतदाता छूट गया है या अयोग्य मतदाता का नाम सूची में है।

भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने का है आरोप

पटना,(एजेंसी)। कांग्रेस ने भाजपा के एक प्रवक्ता पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इसको लेकर बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस ने पटना के एक थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया है। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है। यूथ कांग्रेस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस ने पटना के शास्त्री नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस के लीगल सेल अध्यक्ष नंद कुमार सागर ने कहा है कि केरल के एक न्यूज चौनल पर लाइव डिबेट के दौरान भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता पिंटू महादेव ने कथित तौर पर राहुल गांधी की छाती में गोली मारने की धमकी दी थी। आवेदन में इस धमकी को एक गंभीर आपराधिक धमकी और हत्या के लिए उकसाना बताया गया है। इस मामले की जानकारी देते हुए बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस के लीगल सेल अध्यक्ष नंद कुमार सागर ने बताया है कि यह मामला यह मामला 27 सितंबर 2025 का है, जब केरल के एक न्यूज चौनल पर लाइव डिबेट के दौरान भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता पिंटू महादेव ने कथित तौर पर राहुल गांधी की छाती में गोली मारने की धमकी दी थी। इसके बाद शास्त्री नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस के लीगल सेल अध्यक्ष नंद कुमार सागर ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि इस मामले में तुरंत कार्रवाई नहीं की गई, तो यह माना जाएगा कि इस तरह की धमकियों को शीर्ष सरकारी पदों की मौन स्वीकृति प्राप्त है। इस संबंध में कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन का कहना है कि यह धमकी शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर दी गई है और आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह एक सोची-समझी साजिश हो सकती है।

राजनाथ सिंह बोले- रक्षा विभाग ने सुनिश्चित की सैन्य शक्ति की वित्तीय रीढ़, ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों की निर्णायक जीत के पीछे रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की मौन लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने वित्तीय लचीलापन, संसाधनों के अनुकूलन और परिचालन तत्परता सुनिश्चित करने के लिए डीएडी को सशस्त्र बलों की रीढ़ बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वित्तीय लचीलापन सुनिश्चित करने, संसाधनों का अनुकूलन करने और परिचालन तत्परता बनाए रखने के लिए रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की सराहना की और इसे भारत के सशस्त्र बलों की मौन लेकिन महत्वपूर्ण रीढ़ बताया। सिंह ने नई दिल्ली में विभाग के 278वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जबकि पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऐतिहासिक और निर्णायक जीत हासिल करने में सशस्त्र बलों की वीरता और साहस को देखा, डीएडी की मौन लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका ने कुशल संसाधन उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और युद्ध की तैयारी सुनिश्चित की। राजनाथ ने रक्षा विभाग को एक ऐसी संस्था बताया जो न केवल वित्तीय विवेक और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि सेनाओं को समय पर संसाधन उपलब्ध कराकर परिचालन तत्परता को भी मजबूत करती है। उन्होंने रेखांकित किया कि रक्षा विभाग केवल एक लेखा संगठन नहीं हैय यह एक ऐसा प्रवर्तक है जो राष्ट्र के आर्थिक चक्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करता है। यह एक अदृश्य सेतु है जो वित्त और सशस्त्र बलों को जोड़ता है। हमारे सैनिकों की वीरता के पीछे आपका मौन लेकिन निर्णायक योगदान निहित है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ष्किसी राष्ट्र की शक्ति उसकी वित्तीय नींव की मजबूती में झलकती हैष् और बजट के कुशल उपयोग के लिए विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक, पूंजीगत बजट व्यय का 50 प्रतिशत पहले ही बुक किया जा चुका था, और पिछले वित्तीय वर्ष में 100 प्रतिशत उपयोग हासिल करने के लिए रक्षा विभाग की प्रशंसा की।

ट्रंप की योजना का समर्थन, गाजा पर चुप्पी

मोदी ने की भारत के मूल्यों की उपेक्षा-कांग्रेस

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर गाजा में हुए अत्याचारों पर चुप्पी साधने और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की योजना का स्वागत करने को श्नैतिक कायरताश् तथा भारत के आदर्शों के साथ श्पूर्ण विश्वासघातश् बताया। पार्टी ने इस ट्रम्प योजना में फिलिस्तीनी लोगों के स्थान और स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य के रोडमैप की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए, मोदी की चुप्पी को शर्मनाक और भारत की ऐतिहासिक नैतिक स्थिति के विपरीत करार दिया। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गाजा में भयावह अत्याचारों पर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं और यह नैतिक कायरता' तथा भारत के प्रति पूर्ण विश्वासघात है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि अपने अच्छे दोस्त राष्ट्रपति ट्रंप को खुश करने और अपने दूसरे अच्छे दोस्त बीबी नेतन्याहू के साथ एकजुटता दिखाने के लिए, प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की नई 20-सूत्रीय योजना का स्वागत किया है। लेकिन उन्होंने कहा कि इस योजना पर बुनियादी और परेशान करने वाले सवाल अभी भी बने हुए हैं। कांग्रेस नेता ने पूछा, ष्प्रस्तावित शासन व्यवस्था में गाजा के लोग खुद कहाँ हैं? एक पूर्ण फिलिस्तीनी राज्य के निर्माण का रोडमैप कहाँ है?ष् उन्होंने यह भी पूछा कि अमेरिका और इजराइल कब तक फिलिस्तीनी राज्य के दर्जे की अनदेखी करते रहेंगे - जिसे संयुक्त राष्ट्र के 157 सदस्य देशों ने पहले ही मान्यता दे दी है, जिसमें भारत ने नवंबर 1988 में इस दिशा में पहल की थी। उन्होंने लिखा, ष्पिछले बीस महीनों में गाजा में हुए नरसंहार की जवाबदेही कहाँ है?ष् रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गाजा में हजारों नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार भयानक अत्याचारों पर पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। यह घोर नैतिक कायरता है और भारत के आदर्शों के साथ पूर्ण विश्वासघात है।

मणिपुर में 2023 में दंगाई भीड़ ने 11 पुलिसकर्मियों की हत्या की, मुंबई में सबसे ज्यादा आर्थिक धोखाधड़ी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आर्थिक अपराध के मामले में मुंबई के बाद हैदराबाद का स्थान है जहां आर्थिक अपराधों के 5,728 मामले दर्ज किए गए, जबकि जयपुर में 5,304 मामले दर्ज हुए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में मणिपुर में दंगाई भीड़ ने 11 पुलिसकर्मियों की हत्या की। मणिपुर मई 2023 से जातीय हिंसा की चपेट में है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल मणिपुर में चरमपंथियों द्वारा कुल 24 नागरिकों की हत्या की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, श2023 में ड्यूटी पर 15 पुलिसकर्मियों की हत्या हुई, जिनमें से 11 दंगाई भीड़ द्वारा मारे गए।श मणिपुर में हिंसक अपराध के 14 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए मणिपुर में चरमपंथियोंध्विद्रोहियों द्वारा गोलीबारी में 24 नागरिक मारे गए, जो 2023 में देश में सबसे ज्यादा है। राज्य में 14,427 हिंसक अपराध दर्ज हुए, जो पूर्वोत्तर राज्यों में सबसे ज्यादा हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, साल 2023 में पुलिस लाठीचार्ज में छह लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार, मणिपुर की अदालतों द्वारा 2023 में 247 मामले सुनवाई के लिए भेजे गए, जबकि पिछले वर्षों के 5,594 मामले लंबित हैं। मई 2023 से मणिपुर में कुकी और मैतेई के बीच जातीय हिंसा में 260 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। आर्थिक धोखाधड़ी के मामले सबसे ज्यादा मुंबई में एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में साल 2023 में आर्थिक अपराध के 6,476 मामले दर्ज हुए , जो देश के महानगरों की सूची में सबसे ज्यादा हैं।

दंगों में आरएसएस ने सिखों की मदद की-प्रधानमंत्री

1984 कत्लेआम में कई सिख परिवारों को संघ कार्यकर्ताओं ने अपने घर में शरण दी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के राष्ट्र के प्रति योगदान को रेखांकित करने वाला विशेष रूप से डिजाइन एक स्मारक डाक टिकट और सिक्के को जारी किया। इस साल विजयदशमी से लेकर 2026 विजयदशमी तक संघ शताब्दी वर्ष मनाएगा। पीएम मोदी डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें संघ जैसे संगठन का शताब्दी वर्ष देखने को मिल रहा है। उन्होंने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं और संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। देशवासियों को दी महानवमी की शुभकामनाएं पीएम मोदी ने समारोह के दौरान कहा, आज महानवमी है। आज देवी सिद्धिदात्री का दिन है। मैं सभी देशवासियों को नवरात्रि की बधाई देता हूं। कल विजयादशमी का महापर्व है- अन्याय पर न्याय की जीत, असत्य पर सत्य की जीत, अंधकार पर प्रकाश की जीत है। विजयदशमी भारतीय संस्कृति के इस विचार और विश्वास का कालजयी उद्घोष है। ऐसे महान पर्व पर 100 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक

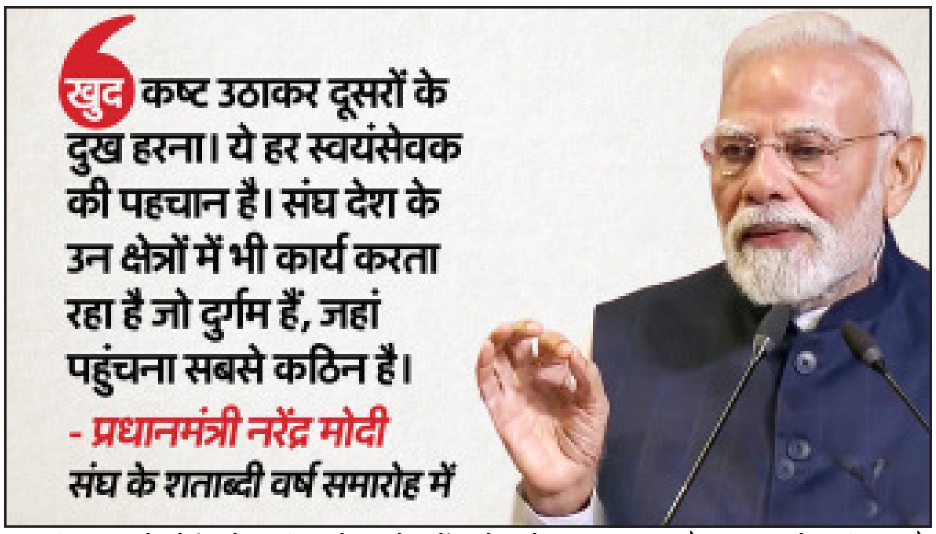

संघ की स्थापना ये कोई संयोग नहीं था। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनरुत्थान था। जिसमें राष्ट्र चेतना, समय समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। ष्सिक्के के ऊपर अंकित संघ का बोध वाक्यष् उन्होंने बताया कि संघ की 100 वर्ष की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में आज भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के जारी किए हैं। पीएम ने जारी किए गए सिक्के की विशेषता बताते हुए कहा, 100 रुपए के सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय चिन्ह है और दूसरी ओर सिंह के साथ वरद-मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि है। भारतीय मुद्रा पर भारत माता की तस्वीर संभवतरू स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। इस सिक्के के ऊपर संघ का बोध वाक्य भी अंकित है- राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय इदं न मम। श1963 में 26 जनवरी की परेड में शामिल हुए थे स्वयंसेवकश 1963 में ैं के स्वयंसेवक भी 26 जनवरी की परेड में शामिल हुए थे। उन्होंने बहुत आन-बान-शान से राष्ट्रभक्ति की धुन पर कदमताल किया था। जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी और संघ की धारा में भी सैकड़ों जीवन पुष्पित, पल्लवित हुए हैं। अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विराट उद्देश्य लेकर चला। ये उद्देश्य रहा- राष्ट्र निर्माण। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, ष्संघ के बारे में कहा जाता है कि इसमें सामान्य लोग मिलकर असामान्य और अभूतपूर्व कार्य करते हैं। व्यक्ति निर्माण की ये सुंदर प्रक्रिया हम आज भी संघ की शाखाओं में देखते हैं। संघ शाखा का मैदान एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां स्वयंसेवक की अहं से वयं तक की यात्रा शुरु होती है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की यज्ञ वेदी है। राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ, शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति। यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। संघ ने कितने ही बलिदान दिये। लेकिन भाव एक ही रहा - राष्ट्र प्रथम... लक्ष्य एक ही रहा -श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश् ष्संघ के खिलाफसाजिशें हुईं, कुचलने के प्रयास हुएष् पीएम मोदी ने संघ के खिलाफसाजिशों का भी जिक्र किया।

एक बाहरी व्यक्ति के रूप में आगे बढ़ना कितना कठिन था?

तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी बॉलीवुड में ताजी हवा का झोंका हैं, एक ऐसा सितारा जो विशुद्ध प्रतिभा और अनुग्रह के माध्यम से उभरा है, फिर भी अपनी विनम्र शुरुआत में गहराई से निहित है। उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकाला सिर्फएक साक्षात्कार के लिए बैठने के लिए, बिना किसी स्टारनुमा अंदाज के जिसकी आप अक्सर उम्मीद करते हैं। सड़क किनारे पानी पूरी और इमली खाने के बारे में उनकी बात सुनकर, मैं तुरंत उनके साथ स्नैक ट्रेल पर जाना चाहता था। जबकि वह अभी भी पहाड़ों के लिए तरसती है, उसका दिल अब मुंबई में बस गया है, और वह इस शहर की हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार दिखती है। शुरुआती अस्वीकृतियों और व्यक्तिगत चुनौतियों के बावजूद, तृप्ति का लचीलापन चमक उठा। उनकी सफलता समीक्षकों द्वारा प्रशंसित बुलबुल (2020) से आई, जहाँ उनके सूक्ष्म प्रदर्शन ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर ओटीटी पुरस्कार दिलाया 2023 में, उन्होंने ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में अभिनय किया, जिसने 900 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, जिससे इंडस्ट्री में उनकी जगह पक्की हो गई। उनके हालिया प्रोजेक्ट्स में बैड न्यूज और भूल भुलैया 3 (2024) शामिल हैं, और 2025 में, उन्होंने धड़क 2 के लिए आलोचकों की प्रशंसा अर्जित की। फिर भी, तृप्ति को जो बात सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि वह दिल से वही चुलबुली, जमीन से जुड़ी पहाड़ी लड़की बनी हुई हैं। उनके छह मिलियन इंस्टाग्राम फॉलोअर्स को उनके अनफिल्टर्ड व्यक्तित्व की झलक मिलती हैरू बेबाक तस्वीरें, यात्रा डायरी और विचारशील विचार। अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए अपने उभरते करियर को आगे बढ़ाते हुए उन्हें देखना उनके सफर को प्रेरणादायक और गहराई से प्रासंगिक बनाता है। एक दिलचस्प साक्षात्कार के अंश। आपने 2017 में पोस्टर बॉयज से शुरुआत की थी... उस फिल्म में आपका काम आपकी हालिया फिल्मों से बिल्कुल अलग लगता है। आपको उस दौर के बारे में क्या याद है? मैं बहुत नया था, मुझे कुछ भी नहीं पता था। उस समय मेरे लिए वो एक बिल्कुल नई दुनिया थी। मुझे याद है कि मैं थोड़ा असमंजस में था, लेकिन साथ ही बहुत उत्साहित भी। मतलब, उस उम्र में फिल्म करना, खासकर जब आपके आस-पास के सभी लोग जानते हैं कि इंडस्ट्री में जगह बनाना कितना मुश्किल है, मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। मैं नया-नया मुंबई आया था, और पोस्टर बॉयज वो फिल्म थी जो मुझे मिली। काफी घबराहट भी थी। लेकिन सबसे ज्यादा, मुझे याद है कि मुझे खुद पर बहुत गर्व महसूस हुआ था। उस फिल्म ने मेरे परिवार को मुझ पर थोड़ा भरोसा दिलाया, और ये मेरे लिए बहुत मायने रखता था। क्योंकि खुद्द को साबित करने के लिए आपको रोजाना कई लड़ाइयाँ लड़नी पड़ती हैं। कैसा? जब आप फिल्म इंडस्ट्री में होते हैं, जब आप अभिनय करते हैं, तो आपको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मेरे लिए, उस पहली फिल्म ने मुझे कैमरे का सामना करने का आत्मविश्वास दिया। मैं पहले लोगों के सामने बहुत शर्मीला हुआ करता था, लेकिन उस फिल्म के साथ, मुझे हर दिन लगभग सौ लोगों के सामने खड़ा होना पड़ता था, और सब मेरी आँखों में देखते रहते थे। इसने मुझे उस डर पर काबू पाने में मदद की। और उसके बाद, मुझे एहसास हुआ कि मैं कभी रुकना नहीं चाहता, मैं यह काम करते रहना चाहता हूँ। एक बाहरी व्यक्ति के रूप में आगे बढ़ना कितना कठिन था? लेकिन हर किसी के लिए यही चुनौती है। जब आप यहाँ ऑडिशन देने आते हैं, तो आपको कई अलग-अलग चरणों से गुजरना पड़ता है, कभी-कभी तो एक दिन में तीन या चार। लगभग डेढ़ साल तक यही रूटीन रहा। कैमरे के सामने आने से ज्यादा मुझे ऑडिशन से घबराहट होती है, क्योंकि आमतौर पर आपको सिर्फएक या दो टेक ही मिलते हैं, और आप इतने सारे लोगों के सामने होते हैं। आपसे उम्मीद की जाती है कि आप उस किरदार में पूरी तरह ढल जाएँ, भले ही आपको बहुत कम जानकारी दी जाए, और फिर भी उसे जीवंत करें। और फिर, यह पैटर्न टूट जाता है, और आप एक नए चरण में प्रवेश करते हैं। मैं कहूँगा कि इस दौरान बहुत कुछ सीखा है। जब काम मिल जाता है, तब आपको हमेशा काम में ताजगी आती है, ताकि आपके दर्शक आपके प्रदर्शन से ऊबें नहीं और आप भी प्रदर्शन से ऊबें नहीं। तो, अब यही नई चुनौती है, काम को ताजा और रोमांचक बनाए रखना। लेकिन मैं इसे एक वरदान मानता हूँ, क्योंकि बहुत से लोग हैं जो कहीं ज्यादा प्रतिभाशाली हैं, और उन्हें अभी तक मौका नहीं मिला है। लैला मजनू (2018) आपके लिए जरूर बहुत खघस रही होगी। क्या फिल्म के न चलने पर आपको निराशा हुई थी? यह मेरे लिए खघस था क्योंकि यह मेरी पहली लीडिंग फिल्म थी। वो ये फिल्म है जिसमें मैंने एक्टिंग सीखी थी। शुरुआत में, मुझे चीजें समझने में समय लगा और तभी मैंने एक एक्टिंग वर्कशॉप की और मुझे एहसास हुआ कि यह बहुत दिलचस्प है। मुझे लगता है कि उस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। रोजमर्रा की कई चुनौतियाँ थीं क्योंकि हम कश्मीर की वादियों में लगातार 20 या 24 घंटे शूटिंग कर रहे थे। कई बार, मैं उस दौरान रोया, यह सोचकर कि मैं क्या कर रहा हूँ, क्योंकि यह सब आसान नहीं था। लैला मजनू हमेशा मेरे लिए एक बहुत ही खास फिल्म रहेगी। उस समय हम मशहूर भी नहीं थे, इसलिए कोई दबाव नहीं था। हम स्थानीय लोगों के घर जाते थे और वहीं खाना खाते थे, और मुझे कश्मीर से गहरा लगाव महसूस होता था। जब फिल्म नहीं चली, तो मुझे बहुत निराशा हुई क्योंकि हम फिर से शून्य पर आ गए थे। मैं कम से कम दो साल से यहाँ था, लेकिन अविनाश तिवारी 14 साल से यहाँ थे। फिर हमने फिर से ऑडिशन देना शुरू किया, और मुझे उनके लिए बुरा लगा। लेकिन मुझे पता था कि इसे सराहना मिलेगी, क्योंकि आज भी, रिलीज के आठ साल बाद भी, लोग इसके बारे में बात करते हैं। मेरे लिए यही सफलता है। जब फिल्म रिलीज हुई थी, तब सिनेमाघर खाली थे, लेकिन जब बाद में इसे दोबारा रिलीज किया गया, तो वे खचाखच भरे हुए थे, और जब हम सिनेमाघर गए, तो हमें बैठने की भी जगह नहीं मिली। फिर बुलबुल आई... जिसमें अधिक जटिल भूमिका थी... बुलबुल को लेकर मैं थोड़ा संशय में था और सोच रहा था कि क्या यही सही रास्ता है। लेकिन यह बहुत खास लगा और मैंने खुद से कहा कि मुझे ये करना ही है। कई लोगों ने मुझे कहा की मत करो, इस समय मत करो। लेकिन मैंने सोचा, ये तो करनी ही है मुझे। इसने लोगों को बड़े पैमाने पर कनेक्ट किया, और मुझे बुलबुल के लिए बहुत प्यार मिला। फिर काला मेरे पास आई। यहाँ भी, मुझे थोड़ा डर था। बुलबुल और काला दोनों के दौरान मैं चिंतित थी क्योंकि निर्देशक एक ही थे, और मुझे लगा कि शायद भूमिकाएँ समान दिखेंगी। लेकिन निर्देशक अन्विता दत्त ने मुझे आश्वस्त किया कि ऐसा नहीं होगा, कि वे दो बहुत अलग लोग हैं और हमें यह बात सामने लानी है। मैं अन्विता के मुझ पर और खुद पर विश्वास से बहुत प्रभावित हुई। मैंने सोचा, मुझे नहीं पता था कि ऐसा भी हो सकता है। और एक बार फिर, मुझे इसके लिए बहुत प्यार मिला। तो हम कह सकते हैं कि आप उन लोगों में से एक हैं जो अपनी आंतरिक प्रवृत्ति का अनुसरण करते हैं, दुनिया की नहीं बल्कि खुद की सुनते हैं... हाँ, आंतरिक अंतर्ज्ञान, क्योंकि आपका अंतर्मन आपसे कभी झूठ नहीं बोलेगा। कोई भी कहानी सुनने के बाद आपको तुरंत एक एहसास हो जाता है, चाहे आप उसका हिस्सा बनना चाहें या नहीं। और अगर आप उस अंतर्ज्ञान का पालन करते हैं, तो मुझे लगता है कि आप तैयार हैं। मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं था, इसलिए मैं तुरंत इसमें कूद पड़ा। बुलबुल ने आपको एक नया आयाम दिया। उस भूमिका ने एक अभिनेता और एक व्यक्ति के रूप में आपको कैसे बदला? इसने मुझे एक मजबूत इंसान बनाया। मुझे खुद पर बहुत शक होता था, और हर टेक के बाद मैं पूछती थी कि शॉट ठीक है या नहीं। बुलबुल और काला ने मुझे आत्मविश्वास दिया, खासकर दर्शकों की स्वीकृति के बाद। यह सराहना बहुत जरूरी है, क्योंकि इससे आपको एहसास होता है कि आप जो कर रहे हैं, वह लोगों से जुड़ रहा है। मेरे निजी जीवन में भी, ये किरदार बहुत मजबूत व्यक्तित्व वाले थे, जो अपने लिए खड़े होते थे। जब भी आप कोई किरदार निभाते हैं, तो आप उससे कुछ न कुछ लेते हैं और अपना एक हिस्सा भी पीछे छोड़ जाते हैं। मुझे लगा कि अगर ये लड़कियाँ अपने लिए खड़ी हो सकती हैं, तो मैं क्यों नहीं? इससे मुझे सही के लिए खड़े होने का आत्मविश्वास मिला। लेकिन क्या आप उस शैली में सहज महसूस करते थे? मुझे यह शैली बहुत पसंद है। मैं खघुशी-खघुशी एक उच्च-स्तरीय ड्रामा बनाऊँगा। मुझे लगता है कि यह मेरा क्षेत्र है, और मैं इसमें बहुत सहज हूँ। मुझे पूरी तरह से नाटकीय दृश्य पसंद हैं, क्योंकि मुझे पता है कि ऐसे पलों में आप अपने सह-कलाकारों के साथ, खुद के साथ भी, सचमुच खेल सकते हैं। ऐसा करने के कई अलग-अलग तरीके हैं। आपने अन्विता दत्त से क्या सीखा है?

संपादकीय........

बिश्नोई गैंग पर कार्रवाई

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है। दरअसल, यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई-प्रोफइल अपराधों को समय-समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है, इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई-प्रोफइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार-बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफकार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है। हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफसख्त कार्रवाई करने में सुविधा रहेगी। वहां के कानून के अनुसार बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद अब कनाडाई अधिकारियों को आतंकवादी मामलों में इन अपराधियों के खिलाफ अपराध साबित करने के लिये अतिरिक्त साधन व सुविधा मिल सकेगी। सरल शब्दों में कहें तो आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद कनाडाई अधिकारियों को बिश्नोई गिरोह की संपत्ति, वाहन और धन जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें वित्त पोषण से संबंधित मामलों में की जाने वाली कार्रवाई भी शामिल है। जिसके जरिये भारत में अपराध व हिंसा फैलाने की साजिश रची जाती रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा सरकार की प्राथमिकता रही है। जो यह भी दर्शाता है कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों के लिए कुख्यात गैंगस्टरों, आतंकवादियों और अलगाववादियों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरे को पहचाना है। निस्संदेह, देर-सवेर इस जीरो टॉरलेंस की नीति से भारत को अपने आंतरिक सुरक्षा प्रयासों को भी मजबूती देने में मदद मिलेगी। भारत लंबे समय से कनाडा की धरती से भारत के खिलाफअभियान चलाने वाले अलगाववादी संगठनों व व्यक्तियों के खिलाफ शिकंजा कसने की मांग करता रहा है। बिश्नोई गैंग के खिलाफताजा कार्रवाई से अब उम्मीद जगी है कि देर-सवेर कनाडा सरकार भारत की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए इन संगठनों पर कार्रवाई करेगी, जो भारत के खिलाफलगातार विषवमन करते रहे हैं और भारत विरोधी अभियानों का वित्तीय पोषण करते रहे हैं।

ट्रंप ने तय कर लिया फिलिस्तीन का भविष्य

बीते दो साल से फिलिस्तीन में चल रहे नरसंहार के खत्म होने के दिन करीब आते दिख रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बैठक के बाद गजा का शांति प्रस्ताव तैयार हो गया है। ट्रंप ने गजा के भविष्य की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। एक योजना बनाई गई है, जिसके तहत हमास को 72 घंटे के अंदर 20 जीवित इजरायली बंधकों को रिहा करना है और उन करीब 20 बंधकों के शवों को वापस करना है, जिनके बारे में माना जाता है कि उनकी मौत हो चुकी है। योजना के मुताबिक हमास अपने हथियार त्याग देगा, इसके साथ ही उसकी सुरंगें और हथियार बनाने के ठिकाने नष्ट कर दिए जाएंगे। हर इजरायली बंधक के शव की रिहाई पर इजरायल 15 गजावासियों के शव लौटाएगा। योजना में यह भी कहा गया है कि जैसे ही दोनों पक्ष इस प्रस्ताव पर सहमत होंगे, गजा पट्टी में तुरंत पूरी सहायता भेजी जाएगी। ट्रंप ने कहा कि अगर हमास इस योजना को स्वीकार नहीं करता है तो अमेरिका नेतन्याहू के साथ खड़ा होगा। वहीं नेतन्याहू ने कहा है कि अगर हमास इस योजना ठुकराता है या इसका पालन नहीं करता है तो इजरायल अपने काम को अंजाम तक लेकर जाएगा। नेतन्याहू की इस धमकी का अर्थ यह है कि हमास को खत्म करने के नाम पर गजा पर कब्जे की जो योजना नेतन्याहू की बनी हुई है, वो हर हाल में पूरी होगी। दो सालों से तबाह गजा में अब और ज्यादा धमाके नहीं होंगे, जो बची-खुची जिंदगियां शेष हैं, वो शायद आगे भी बरकरार रहेंगी, इस बात को राहत की तरह देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप की इस घोषणा का स्वागत किया है, ब्रिटेन, फ्रांस व यूरोपीय यूनियन के देश इस शांति प्रस्ताव से सहमत हैं। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, तुर्किए, पाकिस्तान, इंडोनेशिया आदि मुस्लिम देश भी गजा के लिए बनी योजना पर सहमत हैं और फिलिस्तीन के अधिकारी भी इसे सकारात्मकता के साथ देख रहे हैं। फिलिस्तीन के पास अब और कोई रास्ता तो बचा ही नहीं है। बीते दो सालों में एक बसे-बसाए देश को पूरी तरह तबाह कर अब पश्चिमी ताकतों ने उसे फिर से बसाने की योजना बना दी है। पूंजीवाद की यही कार्यशैली है। पहले किसी चीज में खोट निकालो, उसे खत्म करो और फिर अपनी मर्जी का ऐसा ढांचा वहां खड़ा करो, जिससे अधिक से अधिक मुनाफा कमाया जा सके। लालच का यह तंत्र इतना निष्ठुर है कि उसे बंजर जमीन, हरे-भरे जंगल, मूक जानवर, हाड़-मांस के इंसान किसी में कोई फर्क नहीं दिखता। उसका बुलडोजर सब पर एक तरह से चलता है। गजा अब पूंजीवाद के बुलडोजर से पूरी तरह समतल होने जा रहा है। इसलिए अब इन सवालों के जवाब शायद ही मिलें कि बंधकों की रिहाई, शवों की वापसी हो जाएगी, आगे और हमले भी नहीं होंगे। लेकिन हमास को खत्म करने के नाम पर जिन मासूमों की जान ली गई है, उन्हें क्या कभी इंसाफनहीं मिलेगा।अभी पिछले हफ्ते तक संरा महासभा में फिलिस्तीन के समर्थन में आवाजें उठ रही थीं, उसे मान्यता देने वाले देशों की संख्या बढ़ रही थी, और बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण में जिस तरह कई देशों के राजदूत उठकर चले गए, उसमें यह खुशफहमी बनी कि वैश्विक व्यवस्था में अघोषित बदलाव हो रहा है, कि संयुक्त राष्ट्र संघ की महत्ता पुनरू स्थापित हो रही है। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र संघ की जगह लेते जा रहे हैं या ले चुके हैं। ट्रंप खुद दावा करते रहते हैं कि कितने देशों के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाए हैं, यहां तक कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार का दावेदार बताया जाने लगा है। अब गजा में तथाकथित शांति बहाली के बाद यह दावेदारी और बढ़ जाएगी। फिर यह सवाल नहीं होंगे कि शांति प्रस्ताव के बाद अब जो फिलिस्तीन खड़ा किया जाएगा, उसकी डोर असल में किसके हाथ में रहेगी। यह तो घोषित तथ्य है कि इजरायल को शुरु से अमेरिका का पूरा समर्थन रहा है। बीते कुछ दिनों में ट्रंप ने चाहे नेतन्याहू को हमले रोकने या और ज्यादा हिंसा बर्दाश्त न करने की बात कही है, लेकिन यह केवल दिखावटी बातें थीं। इजरायल अमेरिका की छत्रछाया में ही फला-फूला है और अब फिलिस्तीन को भी अमेरिका की कठपुतली सरकार मिलेगी, यह तय है।गौरतलब है कि अमेरिका ने गजा की भावी शासन व्यवस्था की जो रूपरेखा रखी है, उसमें एक गैर-राजनीतिक फिलिस्तीनी कमेटी गजा पर अस्थायी रूप से शासन करेगी, इसकी देखरेख एक नयी अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिशन बॉडी श्बोर्ड ऑफपीसश् करेगी। कहा जा रहा है कि इसका नेतृत्व ट्रंप खुद करेंगे, लेकिन इसमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की भी अहम भूमिका रहेगी, ऐसी खबरें हैं। इस योजना में फिलिस्तीनी शासन में हमास की कोई भूमिका नहीं रहेगी। अमेरिका की श्आर्थिक विकास योजनाश् के तहत गजा का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसमें यह भी कहा गया है कि श्इजरायल गजा पर न तो कब्जा करेगा और न ही उसे अपने देश में मिलाएगाश् और उसकी सेनाएं समय के साथ ही चरणबद्ध तरीके से पीछे हटेंगी। इस बार ट्रंप ने अपने पिछले बयानों के उलट कहा है कि फिलिस्तीनियों को गजा छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। लोगों को वहीं रहने और बेहतर गजा बनाने का अवसर दिया जाएगा। सबसे खास बात यह कि इस योजना में एक फिलिस्तीनी राष्ट्र की संभावना के लिए दरवाजा भी खुला छोड़ा गया है। यहूदियों को इजरायल में बसाने से पहले से फिलिस्तीनी राष्ट्र बना हुआ था, लेकिन अब उसे अपनी ही जमीन पर वैध पहचान का मोहताज बनाया जा रहा है।इस पूरी कवायद में टोनी ब्लेयर को जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल रही है, वह किसी बड़े खेल का इशारा कर रही है। 2007 में प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद ब्लेयर को अमेरिका, यूरोपीय संघ, रूस और संयुक्त राष्ट्र यानी क्वार्टेट का मध्य-पूर्व दूत बनाया गया था। याद कीजिए यह वही ब्लेयर हैं जिन्होंने बिना किसी सबूत के इराक पर हमले में अमेरिका का साथ दिया था और सद्दाम हुसैन के खतरे को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया था। विनाशकारी हथियारों के शक में न केवल इराक को तबाह किया गया, बल्कि सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ाया गया। ये काम उन लोगों ने किया, जिनके तहखानों में कई विनाशकारी हथियार रखे हुए हैं। नेतन्याहू जैसे युद्ध अपराधियों के हौसले ट्रंप ने और बढ़ा दिए हैं।

शब्दों की शक्तिः कलम और वाणी का चमत्कारस

संजीव ठाकुर

कलम से क्रांति जन्म लेती है और कलम से ही भ्रांति भी। लेखन-कला में असीमित सामर्थ्य और अनुपम क्षमताएँ निहित हैं। यही कारण है कि चिंतन का सूत्र है अधिक सोचो, कम बोलो। शब्द की महिमा अपरंपार हैय अक्षर नश्वर होते हुए भी अपने अर्थ और प्रभाव से अमर हो जाते हैं। लेखनी की धार तलवार से कहीं अधिक तीक्ष्ण मानी गई है। तलवार से घायल व्यक्ति बच सकता है, किंतु लेखनी से निकले शब्द कभी-कभी जीवनभर की पीड़ा का कारण बन जाते हैं। इसीलिए संतों और चिंतकों ने चेतावनी दी है कि 卐बोलने और लिखने से पूर्व बार-बार सोचो।卐 क्योंकि बोलने के बाद सोचना मनुष्य को मूर्खों की श्रेणी में खड़ा कर देता है। राजनीति और कूटनीति का समूचा आधार शब्दों और भाषणों पर टिका हुआ है। एक शब्द से जहाँ राष्ट्रों के बीच सेतु बन सकते हैं, वहीं दूसरा शब्द विभाजन और विद्वेष की आग भी भड़का सकता है। इतिहास गवाह हैदूदू प्यार और शांति के शब्दों से रक्तरंजित विवाद समाप्त हुए हैं, वहीं कटु वाणी से युद्धों का आरंभ हुआ है।शब्दों का प्रभाव

इतना गहन है कि वे किसी व्यक्ति को अमर कर सकते हैं। तुलसीदास की वाणी में सत्य और अमृत की गूंज है, कबीर अपने फक्कड़पन और दोहों से जन-मन में रमे हुए हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य में अज्ञेय जैसे लेखक जटिल शब्दावली के बावजूद हृदय तक उतर जाते हैं। मुंशी प्रेमचंद ने अपने उपन्यास और कहानियों द्वारा हिंदी को जन-जन की भाषा बना अमरत्व प्राप्त किया। देवकीनंदन खत्री ने चंद्रकांता संतति और भूतनाथ जैसे उपन्यास लिखकर हिंदी उपन्यास-साहित्य की लोकप्रियता की नींव रखी। अंग्रेजी में अर्नेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना गया, जिनकी भाषा पाठक के हृदय में सीधा प्रवेश कर जाती थी। इतिहास के पृष्ठ साक्षी हैं कि द्रौपदी के एक वचन ने महाभारत जैसा महायुद्ध खड़ा कर दिया। यही कारण है कि संत-मनीषियों ने कहा 卐संभलकर बोले गए शब्द ही सद्गति देते हैं।卐 अच्छा वक्ता वही है, जो अपने विचार संयमित और संतुलित भाषा में व्यक्त करे। वह भले ही हृदय को न छुए, किंतु जनमानस को जीतने में सफल होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शब्दों का महत्व अद्भुत है। युद्ध और शांति दोनों ही नेताओं के भाषणों और वक्तव्यों पर निर्भर करते हैं। पाकिस्तान की राजनीति भड़काऊ वक्तव्यों से अपनी साख खो बैठी, जबकि भारत अपनी मधुर वाणी और शांति-दूत की छवि से विश्वभर में सम्मानित हुआ। आज भी रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति की पहल के लिए संपूर्ण विश्व भारत की ओर देखता है।युवा पीढ़ी को यही संदेश देना आवश्यक है कि शब्दों का संयमित और सदाचारी प्रयोग करें। मीठी और संतुलित भाषा से समाज और राष्ट्र का वातावरण विकासोन्मुख होता है। यही भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक परंपरा का संदेश है कि शब्दों को सोच-समझकर, तौलकर और प्रेमपूर्वक प्रयोग किया जाए।

आजकल बाजार में मिलावटी कुट्टू के आटा मिल रहा है, जिसके खाने से आपकी सेहत भी बिगड़ सकती है। मिलावटी कुट्टू के आटे से परेशान हैं, तो आप घर पर ही इसकी शुद्धता जांचने और व्रत के दौरान सुरक्षित रहने के 5 आसान तरीके हम आपको बताने जा रहे हैं।

नवरात्रि के पर्व के दौरान बाजार में व्रत में खाएं जाने वाले चीजों में मिलावट देखने को मिलती है। नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि के व्रत रखने वाले कई लोग कुट्टू के आटे से बनी पूड़ियां और हलवा जैसे पारंपरिक पसंदीदा डिश फलाहार के तौर पर खाते हैं, यह काफी न्यूट्रिशन से भरपूर होता है। कुट्टू का आटा आयरन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर से भरपूर होता है। यह न केवल व्रत के दौरान कमजोरी से बचाता है, बल्कि नियमित रूप से सेवन करने पर कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। हालांकि, त्योहारों के मौसम में बढ़ती मांग के कारण, बाजार में मिलावटी कुट्टू का आटा भी आने लगा है। इसलिए बाजार से कुट्टू का आटा खरीदते समय इन बातों का ध्यान रखें।

कुट्टू का आटे का रंग देखें

शुद्ध कुट्टू का आटा आमतौर पर हल्के भूरे या स्लेटी रंग का दिखाई देता है। अगर आटा असामान्य रूप से सफेद या चमकीला दिखाई दे, तो हो सकता है कि उसमें स्टार्च या रिफाइंड गेहूं का आटा मिला हो। खरीदते समय हमेशा रंग की अच्छी तरह जांच करें।

सूंघ कर इसकी खुशबू चौक करें

ताजा कुट्टू के आटे में हल्की, मेवे जैसी खुशबू होती है। अगर आटे में रासायनिक गंध आ रही हो या वह बासी लग रहा हो, तो हो सकता है कि वह बासी या मिलावटी हो। अगर खुशबू अजीब लगे तो उसे खरीदने से बचें।

टेस्ट और आटे की बनावट को देखें

शुद्ध कुट्टू के आटे का स्वाद थोड़ा अखरोट जैसा और मिट्टी जैसा होता है। अगर इसका स्वाद ज्यादा मीठा या फीका लगे, तो यह मिलावट का संकेत हो सकता है।

इसके अलावा, आटा गूंथते समय, शुद्ध आटे की बनावट थोड़ी खुरदरी होती है। अगर आटा ज्यादा नरम निकले, तो संभावना है कि उसमें स्टार्च या मैदा मिलाया गया हो।

घर पर पानी से करें टेस्ट

एक कप पानी में एक चम्मच आटा डालें और मिलाएं। शुद्ध कुट्टू का आटा पानी में तैरेगा और धीरे-धीरे फैलेगा। अगर यह जल्दी घुल जाए या अवशेष छोड़ दे, तो यह मिलावटी होने की संभावना है।

लोकप्रिय ब्रांडों से खरीदें

इस बात का ध्यान रखें कि, कुट्टू का आटा हमेशा विश्वसनीय ब्रांड या प्रतिष्ठित दुकानों से ही खरीदें। इसे ठंडी, सूखी जगह पर एक एयरटाइट कंटेनर में रखें। आटे को निकालने के लिए कभी भी गीले हाथों या गीले चम्मच का इस्तेमाल न करें, क्योंकि नमी इसे खराब कर सकती है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

एक स्टडी के अनुसार, महिलाओं में प्रजनन की टाइमिंग उनकी पूरी जिंदगी स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है। रिसर्चर्स के अनुसार, अगर किसी लड़की को कम उम्र में पीरियड्स आते हैं या फिर कोई महिला कम उम्र में मां बनती है, तो उनको भविष्य में कई गंभीर बीमारियों के होने का जोखिम होता है।

क्या आप जानते हैं कि शरीर में आने वाले कुछ शुरूआती बदलाव महिलाओं या लड़कियों की सेहत पर गहरा असर डाल सकते हैं। जैसे कम उम्र में पीरियड्स आना या फिर कम उम्र में मां बनने का असर आगे चलकर सेहत पर दिख सकता है। एक स्टडी के अनुसार, महिलाओं में प्रजनन की टाइमिंग उनकी पूरी जिंदगी स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है। रिसर्चर्स के अनुसार, अगर किसी लड़की को कम उम्र में पीरियड्स आते हैं या फिर कोई महिला कम उम्र में मां बनती है, तो उनको भविष्य में कई गंभीर बीमारियों के होने का जोखिम होता है।

जानिए कम उम्र में पीरियड्स आने और प्रेग्नेंट होने के खतरे

एक स्टडी के मुताबिक अगर किसी लड़की को 11 साल से पहले पीरियड्स आ जाते हैं या फिर कोई महिला 21 साल से पहले मां बन जाती है। तो भविष्य में उनके हार्ट फेलियर, डायबिटीज और मोटापे का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। स्टडी के मुताबिक ऐसी महिलाओं में मोटापे का खतरा करीब 4 गुना बढ़ जाता है। इसके साथ ही हार्ट फेलियर और डायबिटीज आदि का खतरा भी दोगुना बढ़ जाता है। शरीर के जल्दी मैच्योर होने पर उसका असर बुढ़ापे तक दिखाई दे सकता है।

वेट का बड़ा रोल

बॉडीमास इंडेक्स इस पूरे मामले में अहम रोल निभाता है। जल्दी पीरियड्स या फिर जल्दी मां बनने वाली महिलाओं में अक्सर वजन बढ़ जाता है। यही बढ़ा हुआ ठडप् आगे जाकर हार्ट डिजीज और डायबिटीज जैसी समस्याओं की वजह बन सकता है।

ऐसा क्यों होता है

बता दें कि वैज्ञानिक इसको श्मअवसनजपवदंतल जतंकम-ग्विश् कहते हैं। यानी की यदि शरीर जल्दी रिप्रोडक्शन के लिए तैयार हो जाता है, तो शॉर्ट टर्म में फायदा मिलता है। लेकिन लॉन्ग टर्म में इसकी कीमत बीमारियों और उम्र बढ़ने के रूप में चुकानी पड़ सकती है।

जानिए डॉक्टर की राय

डॉक्टर ने बताया कि यह भले ही एक स्टडी है, लेकिन इसके नतीजों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। वहीं किसी महिला के प्रजनन से जुड़े अनुभव आगे की सेहत पर कैसा असर डालते हैं। जल्दी पीरियड्स आना या फिर कम उम्र में मां बनना हो, तो आगे चलकर डायबिटीज, मोटापा और हार्ट डिजीज जैसी समस्याओं का खतरा हो सकता है। बता दें कि इसकी शुरूआती वजह कम उम्र में होने वाले हार्मोन और मेटाबॉलिज्म के बदलाव माने जाते हैं। जोकि जिंदगी भर आपकी सेहत पर असर डालते हैं। ऐसे में जिन महिलाओं में ऐसे फैक्टर्स दिखते हैं, उनको नियमित रूप से हेल्थ चेकअप और लाइफस्टाइल में सही बदलाव करना चाहिए।

क्या करें महिलाएं

अगर आपके साथ या फिर परिवार की किसी महिला के साथ जल्दी पीरियड्स या फिर जल्दी प्रेग्नेंट होने का अनुभव हो रहा है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको बस अपनी हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है।

नियमित चेकअप जरूर कराएं और खासकर शुगर और हार्टहेल्थ से जुड़े टेस्ट जरूर कराएं।

हेल्दी लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए और खुद को एक्टिव रखें। वहीं अच्छी नींद और बैलेंस्ड डाइट लेना जरूरी है।

सही डाइट और एक्सरसाइज फॉलो कर अपना वेट कंट्रोल में रखें।

आजकल सबसे ज्यादा लोग पेट की चर्बी से परेशान है। पेट के आस-पास चर्बी जमा होना इस बात को बिल्कुल हल्के में न लें। बिना देर किए बैली फेट को कम करना काफी जरुरी है। इन आसान तरीकों से आप महीने भर में बेली फैट को कम कर सकती है।

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण बेली फैट की समस्या लोगों में देखने को मिलती है। पेट के आसपास चर्बी जम जाने से शरीर की सुंदरता तो खराब होती है इसके साथ ही कई बीमारियां भी घेर लेती है। बेली फैट बढ़ने से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर जैसी कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। जितना जल्दी आप अपने शरीर की चर्बी को कम करेंगे उतना ही आपके लिए बढ़िया है। तो इस लेख में हम आपको आसान टिप्स बताने जा रहे हैं, जिससे आप बेली फैट को आसानी से कम कर सकते हैं।

क्या खाएं और क्या नहीं

- प्रोटीन बढ़ाएंरू यदि आप अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएंगे तो यह पचने में काफी समय लेगा। इसलिए आपको बार-बार भूख नहीं लगेगी और मेटाबॉलिज्म तेज होता है। आप अपने आहार में दालें, अंडे, चिकन, फिश, पनीर, दही और सोयाबीन जैसी चीजें जरुर शामिल करें।

- फाइबर है जरुरीरू फाइबर से भरपूर चीजें आप अपनी डाइट में एड कर सकते हैं। जैसे कि- हरे पत्तेदार सब्जियां, ताजे फल और साबुत अनाज खाएं। यह पाचन को दुरुस्त करता है और पेट में चर्बी जमने नहीं देता।

-शुगर और रिफाइंड कार्ब्स से बचेंरू बेली फैट बढ़ाने का कार्य करता है शुगर और मैदा। इसके अलावा, कोल्ड ड्रिंक्स, पैक्ड जूस, मिठाई, केक, पास्ता, सफेद ब्रेड और समोसे-कचौड़ी जैसी चीजों से बिल्कुल न खाएं।

- खूब पानी पिएंरू पूरा दिन कम से कम 3-4 लीटर पानी पीना बेहद जरुरी है। पानी पीने से शरीर के टॉक्सिन्स पदार्थ बाहर निकालते हैं।

एक्सरसाइज करना जरुरी

जरुरी नहीं कि केवल डाइटिंग से पेट कम नहीं होगा। शरीर में कुल फैट में कम करने के लिए एक्सरसाइज बेहद जरुरी है। आप कार्डियो कर सकते हैं। रोजाना कम से कम 30-45 मिनट की कार्डियो एक्सरसाइज करें। आप चाहे तो फ्स वॉक, दौड़ना, साइकिल चलाना,स्वीमिंग, रस्सी कूदना आदि कर सकते हैं। इसके अलावा, आप पुश-अप्स, स्क्वैट्स, लंजेस, प्लैंक और डंबल के साथ एक्सरसाइज भी जरुर कर सकते हैं। यह आपके पेट की मांसपेशियों के लिए क्रंचेज और लेग रेजेज भी फायदेमंद है।

किसी भी टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं चले सूर्यकुमार

पाकिस्तान के खिलाफतो और बुरा हाल

नई दिल्ली। फाइनल समेत पूरे टूर्नामेंट में टीम के स्टार बल्लेबाज और कप्तान सूर्यकुमार यादव कोई भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में सूर्यकुमार पांच गेंदों पर केवल एक रन बनाकर आउट हो गए थे। टूर्नामेंट के दौरान सूर्यकुमार की बल्लेबाजी ने फैंस को जरूर निराश किया। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम भले ही चैंपियन बनी हो, लेकिन टूर्नामेंट में बल्लेबाजी की असली परीक्षा हुई। अगले साल भारत और श्रीलंका की सहमेजबानी में टी२० विश्व कप खेला जाना है। ऐसे में भारतीय टीम को अपनी तैयारियों को परखने का सही अवसर मिला। शीर्ष क्रम में जहां अभिषेक शर्मा ने तूफानी शुरुआत दिलाई, वहीं मध्यक्रम में तिलक वर्मा के अलावा कुछ खास देखने को नहीं मिला।

फाइनल समेत पूरे टूर्नामेंट में टीम के स्टार बल्लेबाज और कप्तान सूर्यकुमार यादव कोई भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में सूर्यकुमार पांच गेंदों पर केवल एक रन बनाकर आउट हो गए थे। उनकी यह पारी न केवल भारतीय फैंस को निराश कर गई बल्कि एक बार फिर उनके बड़े मैचों में औसत प्रदर्शन पर सवाल खड़े कर गई। शाहीन की गेंद पर गलत शॉट खेलकर आउट फाइनल मैच के तीसरे ओवर में शाहीन अफरीदी की गेंद पर सलमान आगा ने शानदार डाइव लगाकर कैच पकड़ा। अंपायर ने इसे थर्ड अंपायर को रेफर किया, जिन्होंने रिप्ले में साफ देखा कि कैच क्लीन था और तुरंत आउट दे दिया। इस विकेट के साथ भारत का स्कोर १०/२ हो गया और पाकिस्तान के गेंदबाजों का उत्साह आसमान पर पहुंच गया था। शाहीन अफरीदी ने विकेट लेने के बाद कप्तान को गले लगाया और पूरी टीम ने मिलकर जश्न मनाया। स्टेडियम में मौजूद पाकिस्तानी फैंस खुशी से झूम उठे। हालांकि, फिर संजू सैमसन और शिवम दुबे के साथ तिलक की साझेदारी ने भारतीय टीम को जीत दिलाई।

भारतीय टीम चैंपियन तो बनी, लेकिन सूर्यकुमार की बल्लेबाजी पर सवाल जरूर खड़े हो रहे हैं। सूर्यकुमार के आंकड़े बेहद खराब सूर्यकुमार यादव के आंकड़े बड़े मैचों में उनकी मुश्किलों को साफ दिखाते हैं। पाकिस्तान के खिलाफटी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके बल्ले से आठ पारियों में सिर्फ112 रन निकले, औसत 16 और स्ट्राइक रेट महज 113.13 का रहा। साल 2025 में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। उन्होंने 11 पारियों में मात्र १०० रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 11.11 का और स्ट्राइक रेट 105.26 का रहा है। सबसे चिंता की बात यह है कि किसी भी टी२० टूर्नामेंट के फाइनल में सूर्यकुमार अभी तक अपने नाम के अनुरूप नहीं खेले हैं। लीग और इंटरनेशनल टूर्नामेंट फाइनल मिलाकर उनकी 8 पारियों में सिर्फ 115 रन आए हैं, औसत 14.37 और स्ट्राइक रेट 108.49 का रहा है। बड़े मैचों में फेल रहे हैं सूर्यकुमार यादव विशेषज्ञ मानते हैं कि सूर्यकुमार की स्ट्राइक रोटेट करने और शुरुआती दबाव झेलने की क्षमता बड़े मैचों में प्रभावित होती है। 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में भी वह कुछ खास नहीं कर सके थे और 28 गेंद में 18 रन बना पाए थे। वहीं, 2024 टी२० विश्व कप के फाइनल में सूर्यकुमार चार गेंद में तीन रन बना पाए थे। पाकिस्तान के खिलाफउनका रिकॉर्ड और भी कमजोर है, खासकर तेज गेंदबाजों के खिलाफ हारिस रऊफऔर अफरीदी ने उन्हें कई बार आउट किया है और फाइनल में एक बार फिर वही कहानी दोहराई। एशिया कप में बेहद खराब फॉर्म दिखाया भारत के लिए यह विकेट बेहद अहम था क्योंकि सूर्यकुमार टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं और उन पर पारी को संभालने की जिम्मेदारी थी। हालांकि, इस मैच में एक बार फिर उनकी जल्दी वापसी ने टीम पर दबाव बढ़ा दिया। सूर्यकुमार इस पूरे एशिया कप के दौरान खराब खेले। वह छह पारियों में 18 की औसत और 101 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ72 रन बना सके। इनमें एक भी अर्धशतक नहीं है। पाकिस्तान के खिलाफग्रुप स्टेज के दौरान उन्होंने 47 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके अलावा उनकी पारियां- 12 रन, 5 रन, ० और नाबाद 7 रन की रही हैं। कप्तानी का दबाव या कुछ और? भारतीय फैंस सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। कई प्रशंसकों का कहना है कि सूर्यकुमार को अपनी तकनीक और मानसिक दृष्टिकोण पर काम करने की जरूरत है ताकि बड़े मैचों में टीम को मजबूत शुरुआत दे सकें। वहीं कुछ लोग मानते हैं कि कप्तानी का दबाव भी उनके खेल पर असर डाल रहा है। बतौर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार ने 29 मैचों में 25.20 की औसत और 152.54 के स्ट्राइक रेट से 630 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, कप्तान न रहते हुए सूर्यकुमार ने 61 मैचों में 43.40 की औसत और 168.17 के स्ट्राइक रेट से 2040 रन बनाए थे। यह आंकड़े बताते हैं कि कप्तानी का दबाव सूर्यकुमार पर भारी पड़ा है।

वैभव सूर्यवंशी ने शतक लगाकर रचा इतिहास, ब्रेंडन मैकुल्लम की बराबरी समेत 3 रिकॉर्ड अपने नाम किए

वैभव सूर्यवंशी का बल्ला अब रुकने का नाम नहीं ले रहा है। आईपीएल के बाद वह लगातार बेहतरीन फॉर्म में दिख रहे हैं। आईपीएल में 35 गेंदों पर शतक ठोकने के बाद से उनका लगातार अच्छा फॉर्म अंडर 19 क्रिकेट में भी जारी है। इंग्लैंड के खिलाफपिछली यूथ वनडे सीरीज में शतक के साथ जलवा बिखेरने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया में कंगारू गेंदबाजों की दम निकालने में वह कसर नहीं छोड़ रहे हैं। 14 वर्षीय इस भारतीय बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफजारी मौजूदा यूथ टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में कमाल कर दिया है। वैभव सूर्यवंशी ने ब्रिसबेन के इयान हेली ओवल में खेले जा रहे इस मुकाबले में 78 गेंदों में ताबड़तोड़ शतक जड़ दिया। इस शतकीय पारी के बाद वैभव ने अपने नाम एक नहीं कई रिकॉर्ड दर्ज कर लिए हैं। सबसे खास बात ये है कि वैभव ने न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज ब्रेंडन मैकुल्लम के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इतना ही नहीं इस शतक के साथ उन्होंने अपना नाम इतिहास के पन्नों पर भी दर्ज करवा दिया है। वहीं छक्कों का भी एक खास रिकॉर्ड वैभव अपने नाम कर चुके हैं। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी इस पारी में 86 गेंद खेलते हुए 113 रन ठोक दिए। इस पारी में उन्होंने 9 चौके और 8 छक्के लगाए। इस पारी के बाद एक बार फिर इस खिलाड़ी ने बता दिया है कि वह किसी छोटा पैकेट बड़े धमाके से कम नहीं हैं। वहीं वैभव ने यूथ टेस्ट में दो शतक १०० गेंदों के अंदर पूरा करा करने का रिकॉर्ड बना लिया है। ये रिकॉर्ड इससे पहले ब्रेंडन मैकुल्लम के नाम दर्ज था। वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर सबसे तेज यूथ टेस्ट शतक बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। इससे पहले ये रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के लियाम ब्लैकफोर्ड के नाम दर्ज था जिन्होंने इंग्लैंड अंडर 19 के खिलाफ 2023 में 124 गेंदों पर शतक ठोका था। जबकि वैभव ने उनसे 46 गेंद कम रहते ही ये कीर्तिमान अपने नाम किया है। वैभव ने अपनी इस पारी में कुल 8 छक्के लगाए हैं, जो कि भारत के लिए यूथ टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी है। उनके नाम अब कुल 15 छक्के यूथ टेस्ट में दर्ज हो गए हैं। उन्होंने अपने ही साथी खिलाड़ी आयुष म्हात्रे को पछाड़ दिया है।

एशिया कप में भरे मंच पर जलील होने पर पीसीबी चीफ ने निकाली अपनी भड़ास, जानें क्या कहा ?

एशिया कप की ट्रॉफी को लेकर एसीसी के चीफमोहसिन नकवी और बीसीसीआई के अधिकारियों के बीच मंगलवार को जमकर तनातनी हुई। भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन और पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला किया था जो एसीसी के इस समय चेयरमैन हैं। इस पर अब रिपोर्ट सामने आई है कि मोहसिन नकवी इससे नाराज हैं कि उन्हें मंच पर एक कार्टून की तरह खड़ा रहना पड़ा और भारतीय टीम ट्रॉफी लेने नहीं आई। मोहसिन नकवी ट्रॉफी और विनिंग मेडल्स के साथ मंच पर थे, लेकिन भारतीय खिलाड़ी और कप्तान ट्रॉफी लेने नहीं पहुंचे। ऐसे में नकवी मंच से उतरे और स्टेडियम से बाहर चले गए। ट्रॉफी और मेडल भी उन्हीं के साथ उनके होटल में ले जाए गए। अब पीटीआई की रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि मोहसिन नकवी मेडल और ट्रॉफी भारतीय खिलाड़ियों को देने के लिए तैयार थे, लेकिन भारतीय खिलाड़ी नहीं आए। मंच पर वे काफी देर खड़े रहे

भारत को एशिया कप की ट्रॉफी सौंपी जानी चाहिए

एसीसी की बैठक में बीसीसीआई ने मोहसिन नकवी को घेरा

दुबई। भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी नकवी के हाथों से लेने से इनकार कर दिया था जिसके बाद पुरस्कार समारोह बिना विजेता ट्रॉफी सौंपे समाप्त कर दिया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद ट्रॉफी के बिना खिताब जीतने का जश्न मनाया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान एशिया कप की विजेता ट्रॉफी भारतीय टीम को नहीं सौंपने पर कड़ा विरोध जताया है। बीसीसीआई ने इस दौरान एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को घेरा। भारत ने रविवार को फाइनल में पाकिस्तान को हराकर नौवीं बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। भारतीय खिलाड़ियों ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से किया था इनकार भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी नकवी के हाथों से लेने से इनकार कर दिया था जिसके बाद पुरस्कार समारोह बिना विजेता ट्रॉफी सौंपे समाप्त कर दिया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद ट्रॉफी के बिना खिताब जीतने का जश्न मनाया था। बाद में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया था कि नकवी ट्रॉफी को अपने साथ होटल के कमरे में ले गए हैं और बोर्ड इसकी शिकायत आईसीसी से करेगा। हरकतों से बाज नहीं आ रहे नकवी न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एसीसी के सूत्रों के

हवाले से बताया कि बीसीसीआई चाहता है कि ट्रॉफी को सौंपी जाए, लेकिन एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी फिलहाल इसके लिए सहमत नहीं है। नकवी पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं और भारत विरोधी बयानों के लिए जाने जाते हैं। भारत ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं लेने की घोषणा काफी पहले ही कर दी थी, लेकिन इसके बावजूद नकवी ट्रॉफी वितरण समारोह के दौरान स्टेज से नहीं हटे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भी खिलाड़ियों के इस कदम का समर्थन किया था और कहा था कि भारतीय टीम का यह कदम पूरी तरह सही था और बोर्ड इस मामले को लेकर नवंबर में होने वाली आईसीसी की बैठक में बहुत मजबूत विरोध दर्ज कराएगा। राजीव शुक्ला और शेलार ने किया प्रतिनिधित्व एसीसी की एजीएम में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने बोर्ड का प्रतिनिधित्व किया। एशिया कप की ट्रॉफी अभी भी एसीसी दफ्तर में रखी है और यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि इसे विजेता टीम को कब दी जाएगी। एसीसी के सूत्र ने कहा, भारत ने एसीसी की बैठक के दौरान विजेता ट्रॉफी नहीं सौंपे जाने और पुरस्कार समारोह के बाद एसीसी अध्यक्ष नकवी द्वारा जो ड्रामा किया गया, उसे लेकर कड़ा विरोध जताया है। इस दौरान राजीव ने कहा कि ट्रॉफी विजेता टीम को सौंपी जानी चाहिए। यह एसीसी की ट्रॉफी है और इसका किसी एक व्यक्ति से लेना-देना नहीं है। एजीएम में ट्रॉफी पर चर्चा नहीं चाहते थे नकवी सूत्र ने कहा, श्नकवी ने बीसीसीआई की बात से सहमत नहीं थे। नकवी ने इस बात पर जोर दिया

यूपी में जंगलराज, संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं करती राज्य सरकार–इकरा

हमको दरोगा चिट्ठी लिखवता है : माताप्रसाद

लखनऊ, (संवाददाता)। बरेली में पिछले हफ्ते शुक्रवार की नमाज के बाद भड़की हिंसा को लेकर यूपी की सियासत गर्म हो गई है। नेता प्रतिपक्ष विधानसभा माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के 14 सांसदों और विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल बरेली का दौरा करने वाला था, लेकिन सपा डेलिगेशन को बरेली जाने की अनुमति नहीं दी गयी है। इस पर सपा सांसद इकरा हसन ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है।सपा सांसद हरेंद्र सिंह मलिक और इकरा हसन आज शनिवार को बरेली के लिए रवाना हुए। इस दौरान गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस की ओर से रोके जाने पर सपा सांसद इकरा हसन ने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा कि हमें किस कानून के तहत रोका जा रहा है। यूपी में जंगलराज है और राज्य सरकार संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं कर रही है। मैं जनप्रतिनिधि हूँ और लोगों का दर्द बाँटने बरेली जा रही थी, लेकिन हमें रोक दिया गया। हम प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि वह हमारे साथ चले। हम कुछ भी छिपाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई एजेंडा नहीं, पता नहीं यूपी सरकार अपनी कौन सी करतूत छुपाना चाहती है कि हमें बरेली नहीं जाने दे रही है।उधर लखनऊ में पुलिस की ओर से रोके जाने पर विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने कहा, 'हमें जाने से रोका जा रहा है। यह कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं था। उन्होंने खुद कानून–व्यवस्था बिगाड़ दी। वे पक्षपाती हो गए हैं। अगर दो समुदायों में झड़प होती तो मैं मानता कि कोई गंभीर घटना घटी है। जब हमने पुलिस से पूछा, तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के बाद बड़े पैमाने पर अन्याय हुआ। एक व्यक्ति पर आरोप लगाया गया है और चार को गिरफ्तार किया जा रहा है। समुदाय डरा हुआ है।

वे प्रशासन और पुलिस से डरे हुए हैं। उनका दूसरे समुदाय से कोई झगड़ा नहीं है।माता प्रसाद पाण्डेय को शनिवार को सुबह लखनऊ में उनके निवास अवध विहार कालोनी में हाउस अरेस्ट किया गया है। उनके आवास के बाहर सुरक्षा बल तैनात हो गई। हाउस अरेस्ट से नाराज माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि बरेली में बेगुनाह लोगों को जेल भेजने की सूचना है। उन्होंने कहा कि हमको रोकने के लिए डीएम को नोटिस देनी चाहिए थी। हमें वहां पार्टी कार्यकर्ताओं से जानकारी लेनी थी। पुलिस–प्रशासन हमें पता नहीं क्यों रोकते हैं। रोकने का मतलब

इनके अवैधानिक काम देखेंगे। हम इनके सारे अवैधानिक काम उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि हमको दरोगा चिट्ठी लिखता है। कलेक्टर लिखता तो मान भी लेते,लेकिन पीजीआई थाने का दरोगा मुझे चिट्ठी लिखता है कि आप नहीं जा सकते। आप अंडर अरेस्ट हैं। इसके बाद बरेली के डीएम की चिट्ठी आई। उन्होंने कहा कि आपके यहां आने से माहौल बिगड़ेगा, आप यहां न आएं।माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि हम लोग माहौल नहीं बिगाड़ते हैं। प्रशासन अपनी कमियों को छिपाने के लिए हम लोगों को नहीं जाने दे रहा है। जो ज्यादती, गैरकानूनी काम, अवैध गिरफ्तारियां की होंगी उनकी हमें जानकारी मिल जाएगी इसलिए हमें रोका गया। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि वह पार्टी के नेताओं से बात कर आगे की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव इस वक्त लंदन में हैं।चिट्ठी में क्या लिखा है? इस सवाल पर नेता विरोधी दल ने चिट्ठी को कैमरों के सामने कर दिया। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हमारे नेतृत्व में बरेली जाने के लिए प्रतिनिधिमंडल बनाया। मकसद बरेली की घटना की वास्तविक जानकारी करना है। मैं यहां नहीं था। शाम को 5 बजे सूचना मिली। रात में 12 बजे जब घर आया तो इसके पहले की जाने की कोई बात हो यहां बड़ी संख्या में पुलिस थी।

सहारा के कर्मचारियों ने गायों को छुट्टा छोड़ा, बिजली–पानी न आने से चारा खत्म हुआ

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सहारा शहर में तीसरे दिन कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन जारी है। लगातार तीसरे दिन परिसर का बिजली–पानी बंद है। इसके चलते मवेशियों का चारा खत्म हो गया है। मवेशी भी अब बेसहारा होकर सहारा शहर की सड़क सहित अन्य जगहों पर घूम रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि मैनेजमेंट ने शुक्रवार को एसीपी कार्यालय में बुलाने की कोशिश की थी, लेकिन यहां पर हम लोग की यह बात हुई थी कि हम वहां पर नहीं जाएंगे। प्रबंधन के लोग बातचीत करने के लिए परिसर में आएं। इस दौरान सहारा शहर के लोगों से बातचीत करने को तैयार हुए हैं। इसने चार से पांच लोगों के प्रतिनिधि बात करेंगे। राजेंद्र प्रसाद कनौजिया ने कहा कि सैलरी नहीं मिल रही है। फेमिली में बहुत दिक्कत है। 2014 से सहारा इंडिया ने पीएफ नहीं जमा किया। हमारे परिवार को और संस्था के लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। इसका समाधान होना चाहिए। हम लोग लड़ाई झगड़ा नहीं करना चाहते। हमारा बकाया दिया जाए, हिसाब किया जाए। 1995 से नौकरी कर रहा हूं, 2014 तक स्थिति ठीक थी। इसके बाद सब कुछ खराब हो गया। साल भर में तीन बार सैलरी मिल रही है। 30 से अधिक सालों तक नौकरी किया है। अब हम लोग कहां जाएंगे क्या करेंगे कोई सुनने वाला नहीं है। वहीं, संतोष कुमार ने बताया कि हमारा बकाया वेतन दिया जाए पीएफ सहित अन्य चीज भी दी जाए मुख्यमंत्री तक हम लोगों की मांग पहुंचाई जाए। आनंद प्रताप लोधी ने कहा कि 1 अप्रैल 2011 से रेस्टोरेंट में काम कर रहा हूं। 2012 से वेतन भुगतान नियमित नहीं मिल रहा है। पीएफ और अन्य मद का पैसा भी नहीं मिल रहा है। हम लोगों की केवल एक मांग है, हम लोगों का पेमेंट दे दिया जाए। हमको कोई इंटरेस्ट नहीं चाहिए। हमारा हिसाब संस्था की तरफ से कर दिया जाए। बच्चों की पढ़ाई छूट गई है, लड़की की शादी नहीं हो पा रही है, मां बीमार है उनका पूरी तरीके से इलाज नहीं कर पा रहे हैं। तनख्वाह चार से पांच बार ही एक साल में मिल रही है। हमारा यही कहना है कि शांतिपूर्वक हम लोगों का हिसाब कर दिया जाए। हम लोगों को कोई शिकायत मैनेजमेंट से नहीं है। हम घर चले जाएंगे। हमारा पैसा दिया जाए ताकि हम जीवन यापन अपना और अपने परिवार का कर सके।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में आग,लाखों रुपए का सामान जला

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बंथरा इलाके में शनिवार सुबह एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान में भीषण आग लग गई। इस घटना में दुकान के अंदर रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यह घटना कानपुर रोड किनारे स्थित बालाजी इलेक्ट्रॉनिक दुकान में हुई। दुकान मालिक वीरेंद्र गुप्ता रोज की तरह शुक्रवार शाम दुकान बंद कर घर चले गए थे। शनिवार सुबह करीब 5.30 बजे दुकान के पास रहने वाले लोगों ने शटर से धुआं निकलते देखा और वीरेंद्र को इसकी सूचना दी। वीरेंद्र ने जब दुकान का शटर खोला तो अंदर आग की तेज लपटें उठ रही थीं।

लोकसभा–विधानसभा चुनाव लड़े, नहीं दिया हिसाब

यूपी 127 राजनीतिक दलों पर चुनाव आयोग लेगा एक्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पंजीकृत 127 और दलों का अस्तित्व खतरे में है। यह वह दल हैं, जिन्होंने पिछले 6 सालों में विधानसभा और लोकसभा चुनाव तो लड़ा लेकिन खर्च का ब्योरा नहीं दिया है। आयोग ने इन सभी दलों को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक लिखित रूप से अपना पक्ष एवं दस्तावेज मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध करवाने को कहा था। अब 6 से 9 अक्टूबर तक इन दलों के प्रतिनिधियों को उपस्थित रहकर व्यक्तिगत सुनवाई का भी मौका दिया जाएगा। दलवार शेड्यूल तय कर दिया गया है। जवाब के आधार पर इसका भविष्य तय होगा। नोटिस पाने वाले 127 दलों में लोकदल, नागरिक एकता पार्टी, आजाद समाज पार्टी भी शामिल है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार विधानसभा चुनाव खत्म होने के 75 दिनों के भीतर और लोकसभा चुनाव खत्म होने के 90 दिनों के भीतर निर्वाचन व्यय का ब्यौरा दिया जाना अनिवार्य है। इन दलों ने पिछले 3 वित्तीय वर्षों के सालाना ऑडिटेड का विवरण आयोग को उपलब्ध नहीं कराया था। अकेले लखनऊ के यह दल अखंड राष्ट्रवादी पार्टी, आल इंडिया राजीव कांग्रेस पार्टी, एकलव्य समाज पार्टी, किशोर राज पार्टी, लोकदल, लोकगठबंधन पार्टी, मानवतावादी क्रांति दल, मनुवादी पार्टी, नागरिक एकता पार्टी, नैतिक पार्टी, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया, राष्ट्रवादी श्रमजीवी दल, राष्ट्रवादी क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय मतदाता पार्टी, राष्ट्रीय राष्ट्रवादी पार्टी, सबका दल यूनाइटेड, समाज सेवक पार्टी, सर्वोदय भारत पार्टी, सोशलिस्ट पार्टी इंडिया, यूपी रिपब्लिकन पार्टी लपेट में आ गए हैं।

डीएम सर, प्रिंसिपल मैडम हमें गालियां देती हैं, मोहनलालगंज तहसील में डीएम से शिकायत करने पहुंचीं बच्चियां

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ डीएम के पास कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की कई बच्चियां शिकायत लेकर पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि विद्यालय में रात में कई आदमी आते हैं। उधर देखने पर प्रिंसिपल हम बच्चियों को गालियां देती हैं। धमकी देती हैं कि ये बात किसी को बताना नहीं। अगर बताया तो मारकर फेंक देंगे। कोई पता भी नहीं पाएगा। जिलाधिकारी विशाख जी. के सामने बच्चियां मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस पर शिकायत की। स्कूल की बच्चियों ने डीएम को लिखित शिकायत में बताया कि विद्यालय की प्रिंसिपल और वार्डन उनसे झाड़ू–पोंछा लगवाती हैं। साथ ही बाथरूम साफ करवाती हैं। रात में 5–6 गाड़ियों से विद्यालय में आदमी आते हैं। किसी बच्ची ने अगर उधर देख लिया तो उसकी बेरहमी से पिटाई कर मैडम गाली देती हैं। छात्रों का कहना था कि उन्हें सही से भोजन भी नहीं मिलता है। बच्चियों ने कहा है कि अब वह स्कूल नहीं जाएंगी। बच्चियां नवरात्रि और दशहरे की छुट्टियों पर घर पहुंचीं तो अभिभावकों से पूरी बात बताई। उन्हें अपनी चोटें भी दिखाईं। डीएम को दिए शिकायती पत्र में ध्अभिभावकों ने सिग्नेचर किए हैं। इसमें बताया है कि बच्चों को यूनिफॉर्म और अन्य जरूरी सामान वे खुद दिलाते हैं। अभिभावकों ने यह भी बताया है कि प्रिंसिपल उनकी बच्चियों को जातिसूचक गालियां देती हैं। कहती हैं कि नीची जाति को हो नीची ही रहोगी। ब्राह्मण, यादव बनने की कोशिश मत करो। अभिभावकों का कहना है कि वे बच्चों को तब तक स्कूल नहीं भेजेंगे जब तक की प्रधानाचार्य और वार्डन निलंबित नहीं किए जाते। नगराम के अर्चित कुमार भी तहसील पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा उनकी श्याम प्यारी के साथ साझे की जमीन है। उसने 1000 वर्ग फीट भूमि पर कब्जा कर मकान खड़ा कर लिया है। शेष भूमि पर कब्जा करने की कोशिश में लगी हुई है। अर्चित जब भी अपने खेत के जुताई–बुवाई करने जाता है तो लड़ाई पर उतर आती है। उसने अर्चित के खिलाफ कई झूठे मुकदमे भी लगवा दिए हैं। पुरसैनी के कई किसान एक साथ फैक्ट्री मालिक के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचे। उनकी शिकायत के अनुसार, मनोज जायसवाल की प्लाइवुड की फैक्ट्री है जो कि नियम के खिलाफ नगर निगम सीमा में संचालित की जा रही है।

पढ़ाई के साथ छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़े, डीएम-एसपी ने आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया

उरई / जालौन, (संवाददाता)। जालौन में महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने उरई स्थित कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय, पटेल नगर का दौरा किया। उन्होंने छात्राओं से संवाद कर उन्हें महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रार्थना सभा में छात्राओं को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का लक्ष्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं है, बल्कि बालिकाओं और महिलाओं को समाज में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा ही सशक्तिकरण की वास्तविक कुंजी है। पढ़ाई के साथ-साथ आत्मविश्वास विकसित करना और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी रखना अत्यंत आवश्यक है। डीएम ने बताया कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ तभी मिल सकता है, जब छात्राएं उनके बारे में पूरी जानकारी रखें। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे शिक्षा के साथ-साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी समझें और अपने अधिकारों के प्रति हमेशा जागरूक रहें, ताकि वे निडर होकर अपने सपनों को साकार कर सकें। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़ी अहम जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक थाना स्तर पर महिला हेल्प डेस्क सक्रिय हैं, जहां पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना और उनका निस्तारण किया जाता है। उन्होंने 1090 (वूमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) और 181 (महिला हेल्पलाइन) जैसी 24 घंटे उपलब्ध रहने वाली सेवाओं के बारे में भी बताया। एसपी ने बालिकाओं को साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और इंटरनेट पर किसी भी संदिग्ध संदेश, कॉल या गतिविधि को नजरअंदाज न करें, बल्कि तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें। उन्होंने छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सीखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बालिकाएं ही एक सशक्त

समाज की नींव रख सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की अध्यापिकाओं ने भी छात्राओं को मिशन शक्ति के महत्व के बारे में बताया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने छात्राओं के सवालों के जवाब दिए और उन्हें हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया।इस मौके पर विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। छात्राओं ने मिशन शक्ति अभियान की शपथ ली और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

पिस्टल दिखाकर सफाई कर्मचारी को धमकाया, कूड़ा गाड़ी से टकराने पर हुआ था झगड़ा

नोएडा, (संवाददाता)। नोएडा में एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवक सफाई कर्मचारी को अभद्र भाषा बोलते हुए उसके साथ मारपीट कर रहा है। मारपीट करने वाले युवक के हाथ में पिस्टल है। कुछ सेकेंड बात करने के बाद वो सफाई कर्मी को थप्पड़ मारता है। आसपास के लोग उसे रोकते हैं। जिसके बाद वो अपनी कार में बैठकर चला जाता है। उसके हाथ में एक पिस्टल भी है। कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस ने बताया कि मामला संज्ञान में है। मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। शनिवार सुबह करीब नौ बजे सफाई कर्मी बरौला की सड़कों पर साफ-सफाई कर रहे थे। उनके साथ एक हाथी गाड़ी भी थी। यही गाड़ी फाच्यूर्नर से टच हो गई। कार सवार युवक नीचे आया और सफाई कर्मी के थप्पड़ मार दिया। साथ ही पिस्टल दिखाकर धमकी देने लगा। कार सवार राजनीतिक दल से जुड़े नेता का भाई है। हालांकि अभी पूरी तरह से साफ नहीं हो सका है। ये वीडियो बरौला का बताया जा रहा है। पुलिस वायरल वीडियो की जांच कर रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

केबिल वायर कंपनी में लगी आग,5 दमकल की गाड़ियों ने 30 मिनट में बुझाई आग

नोएडा, (संवाददाता)। नोएडा के सेक्टर-63 स्थित एक केबल वायर कंपनी में आग लग गई। आग से लाखों का तैयार मॉल और मशीनों को नुकसान हुआ है। हालांकि कोई जनहानि नहीं है। आग की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। गार्ड ने इसकी जानकारी दमकल और स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर एक-एक करके पांच दमकल की गाड़ियों को भेजा गया। करीब 30 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि सेक्टर-63 में क्लो नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। 11 बजे के आसपास कंपनी के सेकेंड फ्लोर पर आग लगी। आग तेजी से फैली। इस फ्लोर पर केबल वायर असेंबलिंग का काम होता है। आग तेजी से फैली साथ ही काफी काला धुंआ भी हुआ। जिसे बाहर निकाला गया। आग लगते ही सभी लोग फैक्ट्री से बाहर आ चुके थे। पुलिस ने बताया कि आग को फैलने से रोका गया। आसपास की इमारतों को भी खाली कराया गया। साथ ही आग को दूसरे तल पर बुझा दिया गया। इस दौरान कोई जनहानि नहीं है। हालांकि लाखों का तैयार मॉल और मशीनरी को नुकसान हुआ है।

सोसाइटी में गार्डो ने महिला को पीटा, रॉन्ग साइड एंट्री को लेकर बवाल

नोएडा, (संवाददाता)। ग्रेटर नोएडा की सोसाइटी में शुक्रवार देर रात जमकर ड्रामा हुआ। गार्डों और एक रेजिडेंट के बीच जमकर मारपीट हुई। रॉन्ग साइड एंट्री को लेकर हुआ विवाद धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। देखते ही देखते मारपीट होने लगी। गार्ड्स ने बीच बचाव करने आई एक महिला के साथ भी बदसलूकी की। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि बवाल के बीच एक महिला फंसी हुई है।

बीएसपी ने रोड शो किया,9 अक्टूबर को लखनऊमें होगा मुख्य कार्यक्रम

उरई / जालौन, (संवाददाता)। जालौन में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) ने अपने संस्थापक मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर जनसमर्थन जुटाने के लिए शनिवार को एक रोड शो निकाला। 9 अक्टूबर को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह रोड शो उरई, कालपी और माधोगढ़ विधानसभा क्षेत्रों में 200 से अधिक वाहनों के साथ आयोजित किया गया।कोंच नगर में हुए इस रोड शो में मंडल कोऑर्डिनेटर लाला राम अहिरवार, रवि मौर्य, भीमराव और जिलाध्यक्ष बृजेश जाटव का स्वागत मार्कण्डेश्वर चौराहे पर कोंच नगर अध्यक्ष महेंद्र कुशवाहा ने किया। सैकड़ों कार्यकर्ता झंडे-बैनर और पोस्टर लिए लखनऊ चलो, कांशीराम जी अमर रहें के नारे लगाते हुए सड़कों पर उतरे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंडल कोऑर्डिनेटर लाला राम अहिरवार ने कहा कि कांशीराम ने दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और उन्हें राजनीतिक मुख्यधारा से जोड़ा। नगर अध्यक्ष महेंद्र कुशवाहा ने बताया कि बीएसपी प्रमुख मायावती के नेतृत्व में लखनऊ में होने वाले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे। इसके लिए विधानसभा स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में शामिल हो सकें। रोड शो के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने लोगों से कांशीराम के आदर्शों पर चलने और बहुजन समाज की एकजुटता बनाए रखने की अपील की। स्थानीय नेताओं ने कहा कि 9 अक्टूबर का कार्यक्रम बहुजन समाज की ताकत और एकता का प्रतीक होगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष बृजेश जाटव, मंडल कोऑर्डिनेटर लाला राम अहिरवार, रवि मौर्य, भीमराव, मानवेन्द्र पटेल, नगर अध्यक्ष महेंद्र कुशवाहा, उपाध्यक्ष सुनील खटीक, कन्हैय्या लाल कुशवाहा, अवधेश अहिरवार, रामसेवक चौधरी और सरोज किन्नर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा,संघर्ष समिति ने लोकायुक्त से की कड़ी कार्रवाई की मांग

बांदा, (संवाददाता)। जिले की अतर्रा तहसील के बदौसा में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और दुकानों से किराया वसूली का मामला गरमा गया है। इस संबंध में ब्लॉक बनाओ संघर्ष समिति ने उत्तर प्रदेश के लोकायुक्त जस्टिस संजय मिश्रा को ईमेल भेजकर आरोपियों और उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संघर्ष समिति के संयोजक संतोष कुशवाहा ने लोकायुक्त को बताया कि बदौसा को नया ब्लॉक घोषित किए जाने के बाद भूमि चयन की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इस दौरान अतर्रा के एसडीएम राहुल द्विवेदी ने शासन को रिपोर्ट दी थी कि कस्बे में उपयुक्त सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं है। हालांकि, तहसीलदार की जांच में यह सामने आया कि बदौसा और मौजा बरछा में लगभग 1.746 हेक्टेयर सरकारी भूमि रिक्त है, जिस पर ब्लॉक कार्यालय का निर्माण संभव है। शिकायत में आरोप है कि डॉ. विजय पांडेय, जो स्व. कामता प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय और अन्य शिक्षण संस्थानों के प्रबंधक हैं, ने राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से इस भूमि पर कब्जा कर दुकानों का निर्माण कराया है। इन दुकानों को किराए पर देकर वे आर्थिक लाभ कमा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पुराने तहसील भवन को भी बिना किसी अनुमति के गिरा दिया गया।समिति का आरोप है कि अतर्रा के एसडीएम ने शासन को गुमराह कर कब्जाधारियों को संरक्षण दिया। पी.पी. एक्ट के तहत सात दिन के भीतर कार्रवाई का प्रावधान होने के बावजूद, इस मामले में अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। संघर्ष समिति ने लोकायुक्त से मांग की है कि डॉ. विजय पांडेय और उनकी समिति के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही, एसडीएम की भूमिका की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराकर बदौसा ब्लॉक कार्यालय के लिए उपलब्ध कराया जाए। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष शिव प्रसाद उर्फ शिवा, नगर विजय यादव, सुनील उपाध्याय, राजस निषाद, नीरज गुप्ता, दयानंद गुप्ता सहित स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। इस संदर्भ में एसडीएम अतर्रा राहुल द्विवेदी ने बताया कि मामले में कार्रवाई चल रही है और जल्द ही निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि भूमाफिया को बख्शा नहीं जाएगा।

कला, क्रॉफ्ट व पपेटरी में दिखाई प्रतिभा

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में शनिवार को प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए जिला स्तरीय कला, क्राफ्ट और पपेटरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के शिक्षक–शिक्षिकाओं ने भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पांच स्तरों में अपनी कला और पपेटरी प्रस्तुत की। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्राथमिक स्तर पर गणित में विकास द्वीप निगम और भाषा में रोशन लाल, जबकि उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान में अन्नपूर्णा दुबे, सुरभि ओझा और गणित में प्रवीण कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम का मूल्यांकन गठित निर्णायक मंडल ने किया। प्राचार्य संजय शुक्ल ने कहा कि ज्ञान केवल संचारित नहीं, बल्कि सृजित भी किया जाना चाहिए।

संडे ऑन साइकिल के जरिये युवा देंगे फिट रहने का संदेश

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ की ओर से रविवार को आयोजित संडे ऑन साइकिल में युवा, युवतियां समेत अन्य लोग शामिल होकर स्वस्थ और फिट रखने का संदेश देंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ जीआईसी से होगा। अध्यक्ष भावेष पांडेय का कहना है कि रविवार को जीआईसी से स्टेडियम तक संडे आन साइकिल कार्यक्रम संपन्न होगा। बस्ती मैराथन के सफल आयोजन से पूर्व यह कार्यक्रम होगा। इसमें हर वर्ग के लोग शामिल होंगे और संदेश देंगे। 19 अक्तूबर को मिनी मैराथन का आयोजन होना है, जिसमें पांच हजार धावक शामिल होंगे। इसके लिए पंजीकरण निशुल्क चल रहा है। बताया कि संडे आन साइकिल प्रतियोगिता सुबह 7.15 बजे से जीआईसी से शुरू होगी, जो शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में समाप्त होगी। संवाद

बीएसए–शिक्षक विवाद: शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बस्ती। सीतापुर में बीएसए अखिलेश कुमार सिंह और शिक्षक वृजेंद्र वर्मा के बीच मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शनिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। एकतरफा विभागीय जांच को निरस्त कर शासन स्तर से उच्च स्तरीय जांच कराकर शिक्षक वृजेंद्र वर्मा को न्याय दिलाने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि सीतापुर में बीएसए, शिक्षक के बीच विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि सभी तथ्यों की उच्च स्तरीय शासन स्तर पर जांच कराने के साथ ही शिक्षक को न्याय दिलाया जाए। जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने के दौरान मुख्य रूप से जिला मंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, महेश कुमार, राजकुमार सिंह, शैल शुक्ल, अभय सिंह यादव, दिवाकर सिंह, ओंकार उपाध्याय, रामपाल वर्मा, चंद्रभान चौरसिया, त्रिलोकीनाथ, राजेश कुमार, रीता शुक्ला, विनय कुमार, विनोद यादव, जितेंद्र बहादुर, रामतीरथ वर्मा आदि शामिल रहे। संवाद

कोतवाली के सामने दुकान में चोरी, पुलिस पर उठे सवाल

बस्ती। बस्ती में कोतवाली थाना परिसर के ठीक सामने स्थित आजाद पेंट की दुकान में बीती रात चोरी हो गई। अज्ञात चोरों ने दुकान का शटर काटकर नकदी और कीमती सामान चुरा लिया। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि देर रात तीन से चार चोरों ने गैस कटर का इस्तेमाल कर दुकान का शटर काटा। वे दुकान के अंदर दाखिल हुए और नकदी सहित कुछ महंगे सामान लेकर कुछ ही मिनटों में फरार हो गए। यह घटना कोतवाली से कुछ ही कदमों की दूरी पर हुई, लेकिन पुलिस को रात भर इसकी भनक तक नहीं लगी। सुबह जब दुकानदार दुकान पर पहुंचा, तो उसने शटर टूटा हुआ पाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना को लेकर स्थानीय व्यापारियों में पुलिस की कार्यप्रणाली के प्रति नाराजगी है। उनका कहना है कि जब कोतवाली के सामने की दुकानें सुरक्षित नहीं हैं, तो शहर के अन्य हिस्सों की सुरक्षा पर कैसे भरोसा किया जा सकता है।

डीआईओएस कार्यालय की नीलामी प्रक्रिया शुरू

बस्ती। जिले में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय की नीलामी प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह कार्रवाई अदालत के आदेश पर हर्रैया के नेशनल इंटर कॉलेज के पूर्व प्रवक्ता चंद्रशेखर सिंह के 1991 से लंबित बकाया वेतन के भुगतान के लिए की जा रही है। नीलामी 4 अक्टूबर को होगी। चंद्रशेखर सिंह को 1991 में अर्थशास्त्र प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किया गया था, लेकिन उन्हें कभी वेतन नहीं मिला। उन्होंने 1998 में अदालत का दरवाजा खटखटाया। वर्ष 2005 में न्यायालय ने शासन और डीआईओएस को 14 लाख 38 हजार 104 रुपये का बकाया वेतन और भविष्य का नियमित वेतन देने का आदेश दिया था, लेकिन इस आदेश का पालन नहीं किया गया। आदेश की अवमानना के बाद डीआईओएस का बैंक खाता भी सीज किया गया, फिर भी शिक्षक को उनका बकाया नहीं मिला। इसके बाद, अदालत ने इस वर्ष डीआईओएस कार्यालय की भूमि कुर्क कर नीलामी का आदेश जारी किया। न्यायालय ने नीलामी के लिए न्यूनतम बोली 14 लाख 38 हजार 104 रुपये निर्धारित की है। अमीन की देखरेख में बुधवार को ई–रिक्शा के माध्यम से पूरे शहर में मुनादी कराई गई। इसमें 4 अक्टूबर को नीलामी की तिथि घोषित की गई है। नीलामी से प्राप्त ध नराशि का उपयोग शिक्षक के बकाया भुगतान के लिए किया जाएगा। शिक्षक के पुत्र अनुराग सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनके पिता को 27 साल बाद न्याय मिलेगा। उन्होंने भुगतान मिलने के बाद ही संतुष्टि व्यक्त करने की बात कही।

मनरेगा में भ्रष्टाचार की शिकायतें,जांच न होने पर युवक कलेक्ट्रेट पर अनशन पर बैठा

बस्ती। जिले के बहादुरपुर विकास खंड के ग्राम पोखरनी निवासी सुरेश कुमार श्रीवास्तव ने मनरेगा योजना में जेसीबी मशीन के उपयोग संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई न होने के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा, जिसमें बताया कि उन्होंने 30 जून, 16 जुलाई और 22 सितंबर 2025 को भ्रष्टाचार की शिकायतें दर्ज कराई थीं।

बच्चों को निखार रहीं ये शिक्षिकाएं,किताबी पन्नों से अलग जीवन की पाठशाला के लिए कर रहीं तैयार

गोरखपुर। जुबिली इंटर कॉलेज की डॉ. रेखा श्रीवास्तव के पढ़ाने के तरीके इतने दिलचस्प होते हैं कि बच्चे पढ़ाई में रुचि लेने लगते हैं। वैज्ञानिक प्रयोगों के जरिये भौतिकी और रसायन पढ़ाई जा रही है और भाषा की जटिलताओं को आसान किया जा रहा है। विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर हम बात कर रहे हैं उन शिक्षकों की, जो पारंपरिक पढ़ाई के से बाहर निकलकर बच्चों को न सिर्फ ज्ञान दे रहे हैं। बल्कि उन्हें भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार कर रहे हैं। ऐसे शिक्षक बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचान कर उन्हें निखारने का काम कर रहे हैं। रोचक और व्यावहारिक तरीकों से पढ़ाने वाले इन शिक्षकों के प्रयासों का असर अब विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और बोर्ड परीक्षा में दिखने लगा है।सरकारी स्कूलों में अक्सर संसाधनों की कमी होती है, लेकिन कुछ शिक्षक ऐसे भी हैं जिन्होंने सीमित साधनों में भी शिक्षा को एक नया आयाम दिया है। उनकी कक्षाएं केवल पाठ्यक्रम की पढ़ाई तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि वहां बच्चों की सोचने–समझने की क्षमता को भी बढ़ाया जाता है। शिक्षक अब केवल किताबों के पन्नों तक ही सीमित नहीं हैं, वे बच्चों को जीवन की पाठशाला के लिए भी तैयार कर रहे हैं। जुबिली इंटर कॉलेज की डॉ. रेखा श्रीवास्तव के पढ़ाने के तरीके इतने दिलचस्प होते हैं कि बच्चे पढ़ाई में रुचि लेने लगते हैं। वैज्ञानिक प्रयोगों के जरिये भौतिकी और रसायन पढ़ाई जा रही है और भाषा की जटिलताओं को आसान किया जा रहा है। बच्चे जब चीजों को महसूस कर पाते हैं, तो वे उन्हें बेहतर तरीके से समझते और याद रखते हैं। इनके पढ़ाए हुए 71 छात्र डॉक्टर बन चुके है और कई अभी एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। जो बच्चे फीस नहीं दे पाते है उन्हें डॉ. रेखा अलग से पढ़ाती हैं। इसी क्रम में एडी राजकीय कन्या इंटर कॉलेज माया सिंह ने बताया कि नियमित पढ़ाई के अलावा अतिरिक्त जानकारियां बच्चों को देती हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों की मानसिकता और क्षमता को समझते हुए उन्हें उसी के अनुरूप मार्गदर्शन देती हूं।

भंडारे में खाया प्रसाद, होने लगा पेट दर्द–उल्टी, झोलाछाप के इंजेक्शन से बिगड़ी तबीयत, युवक की मौत

गोरखपुर। शुक्रवार रात करीब 10 बजे घर लौटने पर अनुराग को उल्टी और पेट में दर्द होने लगा। परिजन उसे पास के तिराहे पर बैठे झोलाछाप के पास ले गए। वहां इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उसकी तबीयत गंभीर हो गई। आनन–फानन में परिजन उसे भटहट सीएचसी ले गए, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। थाना क्षेत्र के जैनपुर टोला रामनगर निवासी अनुराग निषाद उर्फ अन्नू (20) की शुक्रवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पिता महेंद्र निषाद आरोप है कि पेट दर्द और उल्टी की शिकायत पर उसे झोलाछाप से उपचार कराया गया था। झोलाछाप के इंजेक्शन लगाने के बाद बेटे की हालत और बिगड़ गई। महेंद्र निषाद का बेटा अनुराग गांव के भगवानपुर टोले में भंडारे का प्रसाद खाने गया था। शुक्रवार रात करीब 10 बजे घर लौटने पर उसे उल्टी और पेट में दर्द होने लगा। परिजन उसे पास के तिराहे पर बैठे झोलाछाप के पास ले गए। वहां इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उसकी तबीयत गंभीर हो गई। आनन–फानन में परिजन उसे भटहट सीएचसी ले गए, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। रास्ते में मोगलहा के एक निजी अस्पताल में भी उसे दिखाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज भेजने की सलाह दी। मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही अनुराग ने दम तोड़ दिया। सूचना पर गुलरिहा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। अनुराग दो बहनों में एकलौता भाई था। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने परिजनों से तहरीर मांगी है। ग्रामीणों ने झोलाछाप के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संवाद

बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट: गोरखपुर समेतआस–पास झूमकर बरसेंगे बदरा

गोरखपुर। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अनुकूल सिनॉप्टिक और भूभौतिकीय परिस्थितियों और आंतरिक ओडिशा और इससे सटे छत्तीसगढ़ पर अवस्थित अवदाब से पहले उत्तर–उत्तर–पश्चिमी दिशा और उसके बाद उत्तरी दिशा में आगे बढ़ने से पूर्वी उत्तर प्रदेश के मौसम में बदलाव हुआ है। नवरात्र के नवमी की रात से बदला मौसम का मिजाज आगे भी यूं ही बना रहेगा। मौसम विभाग ने शनिवार को बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान विभाग ने कुछ स्थानों पर भारी तो कुछ स्थानों पर भारी भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। सुबह से ही मौसम खराब बना हुआ है। कहीं कहीं बारिश और छींटों के साथ तेज हवाएं शुरू हो गई हैं। शनिवार को मौसम के हाल ने लोगों को परेशान कर दिया। वहीं, छह और सात अक्तूबर को भी गोरखपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। पहले सप्ताह के बाद बारिश की तीव्रता में कमी आएगी। शुक्रवार को 1.5 एमएम बारिश दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अनुकूल सिनॉप्टिक और भूभौतिकीय परिस्थितियों और आंतरिक ओडिशा और इससे सटे छत्तीसगढ़ पर अवस्थित अवदाब से पहले उत्तर–उत्तर–पश्चिमी दिशा और उसके बाद उत्तरी दिशा में आगे बढ़ने से पूर्वी उत्तर प्रदेश के मौसम में बदलाव हुआ है। मौसम विभाग ने पांच अक्तूबर तक भारी से बहुत भारी बारिश के साथ ही चार अक्तूबर को कहीं–कहीं भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। इसके साथ ही वहां बने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से छह अक्तूबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि और भारी बारिश की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर और देवरिया समेत आसपास के जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने के आसार हैं। मौसम की उठापटक के बीच शुक्रवार को मौसम का मिजाज काफी राहत भरा रहा। सुबह से ही बादल छाए रहे और दिनभर छिटपुट बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहा। मौसम के इस मिजाज से अधिकतम तापमान में करीब साढ़े तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई और यह 29.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मासूम के चेहरे को कुत्ते को नोंच डाला

गोरखपुर। रामपाल राज ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनका दो वर्षीय बेटा सुरंदरम घर के बाहर खेल रहा था, जबकि पत्नी शालू घर में खाना बना रही थीं। तभी वहां से निकल रहे आवारा कुत्तों की झुंड में से एक कुत्ते ने उनके बेटे सुरंदरम पर हमला कर दिया। सहजनवां थाना क्षेत्र के डुमरी चौराहे पर शुक्रवार सुबह घर के बाहर खेल रहे दो साल के मासूम सुरंदरम पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। मासूम की मां शालू की नजर पड़ी तो उन्होंने शोर मचाया। इस पर जुटे आस–पास के लोगों ने कुत्ते को दौड़ाया तो वह मासूम को छोड़कर भाग गया। परिजनों ने उसे गंभीर हालत में शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्राइवेट कर्मी रामपाल राज का घघसरा चौकी अंतर्गत डुमरी चौराहे पर मकान है। रामपाल राज ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनका दो वर्षीय बेटा सुरंदरम घर के बाहर खेल रहा था, जबकि पत्नी शालू घर में खाना बना रही थीं। तभी वहां से निकल रहे आवारा कुत्तों की झुंड में से एक कुत्ते ने उनके बेटे सुरंदरम पर हमला कर दिया। बेटे की चीख पुकार सुनकर उनकी पत्नी शालू शोर मचाकर कुत्ते से मासूम को बचाने लगी, शोर–शराबा सुनकर परिवार के अन्य लोग मौके पर आ गए और कुत्ते को भगाकर मासूम को उसके चंगुल से बचाया, लेकिन तब कुत्ता मासूम के होंठ व चेहरे पर जख्म दे चुका था। परिवार के लोग उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली ठर्रापार लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने मासूम का इलाज शुरू किया। बच्चे को तुरंत एंटी–रेबीज इंजेक्शन लगाया गया और अन्य आवश्यक उपचार दिए गए।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में राष्ट्रपिता व पूर्व प्रधानमंत्री की जयन्ती पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में दुनिया को सत्य और अहिंसा की ताकत का एहसास कराया था। महात्मा गांधी के मूल्यों और आदर्शों में स्वदेशी का महत्वपूर्ण स्थान था। स्वदेशी की अवधारणा देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का आलम्बन बनी। बापू के सपनों को साकार करते हुये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वदेशी अवधारणा देश और दुनिया के लिए मॉडल बन रही है। स्वदेशी अवधारणा से जुड़ी प्रदेश सरकार की ओ0डी0ओ0पी0 (एक जनपद एक उत्पाद) योजना सफलता की नई ऊंचाई छू रही है। मुख्यमंत्री आज श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर, गोरखपुर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर इन दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी केवल खादी तक सीमित नहीं है बल्कि वर्तमान समय में भारत की दिनचर्या बन रही है। प्रधानमंत्री के उद्घोष के अनुरूप स्वदेशी भारत में चिप से लेकर शिप तक आत्मनिर्भरता की गारन्टी बन रही है। प्रदेश सरकार ने राज्य के उत्पादों को प्लेटफार्म प्रदान करने तथा उन्हें वैश्विक बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराने के लिए ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितम्बर, 2025 तक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया था। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में स्वदेशी ब्राण्ड की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा

कि स्वदेशी के मामले में प्रदेश ने ऊंची छलांग लगाई है। आज प्रदेश के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में ब्रह्मोस मिसाइलें बन रही हैं। रायफल का निर्माण हो रहा है। हरदोई में वेब्ले स्कॉट पिस्टल का उत्पादन प्रारम्भ हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी को और बढ़ावा देने के लिए उन्होंने प्रदेश के प्रत्येक जनपद में दीपावली के पूर्व उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो की तर्ज पर स्वदेशी मेले आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में आज से खादी वस्तुओं के क्रय पर 25 प्रतिशत छूट का शुभारम्भ हो रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए वह खादी व अन्य स्वदेशी वस्तुओं का उपहार दीपावली में अपने सगे सम्बन्धियों को प्रदान करें। इससे कारीगरों और शिल्पकारों को प्रोत्साहन व सम्मान मिलेगा तथा रोजगार–स्वरोजगार में बढ़ोत्तरी देश की आर्थिक समृद्धि का कारण बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी को स्वच्छता पसंद थी। उनके इस विचार को प्रधानमंत्री जी ने 'स्वच्छ भारत मिशन' के माध्यम से नई ऊंचाई प्रदान की। इस मिशन के अन्तर्गत देश में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं। परिणामस्वरूप नारी गरिमा को सम्मान मिला, बीमारियों से बचाव हुआ और लोगों की आर्थिक बचत हुई है। आज स्वच्छता हमारी पहचान और भारत का ब्राण्ड है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 श्री लाल बहादुर शास्त्री जी स्वाधीनता आंदोलन की अग्रिम पंक्ति के सेनानी थे। वह बापू के प्रखर अनुयायी तथा स्वदेशी से स्वावलम्बन के पक्षधर थे। शास्त्री जी ने कृषि क्षेत्र की आत्मनिर्भरता का मॉडल दिया था। 'जय जवान, जय किसान' का नारा देकर खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के संकल्प को मजबूत किया। उन्होंने दुनिया को सन्देश दिया कि भारत शान्ति का पक्षधर है, लेकिन यदि कोई युद्ध थोपेगा, तो देश उसका मुंहतोड़ जवाब देगा। वर्ष 1965 में पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध में शास्त्री जी के नेतृत्व में मिली विजय से देश ने अपनी शक्ति का एहसास पूरी दुनिया को कराया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व व त्योहार एकता, शान्ति और सौहार्द के प्रतीक होते हैं। हमें उनके इस सात्विक भाव को अपने जीवन में उतारना चाहिए। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जीवन हम सभी को नई प्रेरणा प्रदान करता है। इस अवसर पर गोरखपुर के महापौर डॉ0 मंगलेश श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डाबर ओडोमोस ने शुरू किया विशाल अभियान मेकिंग इंडिया डेंगु फ्री

लखनऊ,संवाददाता। मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से शहर को बचाने के प्रयास में डाबर की ओर से भारत के सबसे पसंदीदा पर्सनल ऐप्लीकेशन मोस्क्युटो रेपेलेन्ट ब्राण्ड ओडोमास ने आज लखनऊ में एक विशाल अभियान मेकिंग इंडिया डेंगु फ्री की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत ओडोमोस टीम लोगों तक पहुंचेगी और उन्हें डेंगु के बारे में जानकारी देगा और बताएगी कि वे किस तरह मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से अपने आप को बचा सकते हैं। साथ ही अभियान के तहत लोगों को मुफ्त ओडोमोस मोस्क्युटो रेपेलेन्ट क्रीम भी बांटी जाएगी। अभियान के तहत डाबर ओडोमोस ने आज राम किशोर कॉन्वेंट इंटर कॉलेज, अभिषेकपुरम, साठ फिटा रोड, जानकीपुरम विस्तार के 150 से अधिक छात्रों और शिक्षकों को मच्छर से होने वाले बीमारियों के बारे में जागरूक किया। ओडोमोस टीम सार्वजनिक क्षेत्रों जैसे बस टर्मिनलों, रेलवे स्टेशनों पर जागरुकता सत्रों का आयोजन भी करेगा, जिनके जरिए लोगों को डेंगु से बचाव के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस जागरूकता कार्यक्रम में आयुर्वेदाचार्य सहित मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री पंकज तिवारी, श्री दिनेश कुमार, सीनियर मैनेजर, डाबर इंडिया लिमिटेड, कालेज के प्रबन्धक श्री जी.पी. शुक्ला, प्रधानाचार्या श्रीमती बीना त्रिपाठी सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हैड –होम केयर, श्री वैभव राठी ने कहा एक ब्राण्ड के रूप में ओडोमोस लोगों को डेंगु एवं मच्छरों से फैलने वाली अन्य बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए प्रयासरत है। अपने इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए हमने लोगों को डेंगु की रोकथाम के बारे में जागरुक बनाने के लिए इस सामाजिक अभियान की शुरूआत की है। क्योंकि हाल ही के महीनों में डेंगु के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में जरूरी है कि लोगों को इससे बचाव के तरीकों के बारे में जागरुक बनाया जाए, ताकि वे अपने आप को डेंगु से सुरक्षित रख सकें। इस अभियान के तहत हम डेंगु और इससे बचने के तरीकों के बारे में जागरुकता बढ़ाएंगे। जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए श्री पंकज तिवारी ने कहा डेंगु फैलाने वाले मच्छर आमतौर पर दिन में काटते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने साथ–साथ बच्चों की सुरक्षा पर भी ध्यान दें। बच्चे चाहे घर से बाहर खेलने जाएं या घर के कमरे में रहें, उन्हें मच्छरों से बचाना बहुत जरूरी है। ओडोमास सबसे पसंदीदा पर्सनल ऐप्लीकेशन प्रोडक्ट है जो मच्छरों से संपूर्ण सुरक्षा प्रदान कर कई जानलेवा बीमारियों से बचाता है। दिन हो या रात, आप घर में हों या घर के बाहर, मच्छरों से बचने के लिए ओडोमास जरूर लगाएं।'' श्री दिनेश कुमार, सीनियर मैनेजर, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, ''डेंगु से बचने के लिए रोकथाम के उपायों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। हम लोगों को इसके बारे में जागरुक बनाना चाहते हैं ताकि वे डेंगु एवं मच्छरों से फैलने वाली अन्य बीमारियों से अपने आप को सुरक्षित रख सकें। मेकिंग इंडिया डेंगु फ्री इसी दिशा में हमारा एक प्रयास है।''

गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर हुआ कार्यक्रम

लखनऊ,संवाददाता। श्री कृष्ण दत्त एकेडमी स्वायत्त महाविद्यालय मे गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर एक भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में गांधी का अहिंसा का दृष्टिकोण आधुनिक दुनिया में विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी.कॉम, बी.एससी, बी.एड और बी.एफ.ए के छात्रों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस निबंध प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को गांधी जी के आदर्शों और अहिंसा के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करना था। छात्रों ने गांधी जी के अहिंसा के सिद्धांत और मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि छात्रों ने गांधी जी के आदर्शों और अहिंसा के महत्व को बहुत ही अच्छी तरह से समझा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से छात्रों में सामाजिक और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा मिलता है। गांधी जी के आदर्शों का महत्व आज भी बहुत अधिक है। उनके आदर्शों ने हमें सत्य, अहिंसा और करुणा के महत्व को समझाया है। गांधी जी के आदर्शों ने हमें यह भी सिखाया है कि हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शांतिपूर्ण तरीकों का उपयोग करना चाहिए।

डंपर की टक्कर से देवर–भाभी की मौत,सड़क पर शव रख हंगामा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में डालीगंज चौराहे पर एक तेज रफ्तार डंपर ने बुधवार रात स्कूटी सवार देवर–भाभी को रौंद दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। नाराज परिजनों ने गुरुवार को हैदरगंज चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया। परिजन 50 लाख मुआवजा और एक सरकारी नौकरी की मांग कर रहे थे। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने उनकी वाजिब मांगों को अनसुना किया। पुलिस जबरन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने लगी। इस दौरान लोगों को चोट आई। परिजन शव को लेकर चौराहे पर बैठे हुए हैं। परिजन करीब एक बजे पोस्टमॉर्टम हाउस से शव लेकर बाजारखाला स्थित पुराना जोशी टोला घर पहुंचे। यहां पुलिस की निगरानी में शवों को अंतिम यात्रा के लिए तैयार किया गया। यहां से परिजन शव लेकर निकले और करीब 3 बजे हैदरगंज चौराहे पर पहुंचे। एक साथ दो शव को देखकर के इलाके के लोगों की भीड़ जमा हो गई। नाराज लोगों ने चौराहे पर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान सड़क पर जाम लग गया। मौके पर वजीरगंज, खाला बाजार, चौक, ठाकुरगंज, तालकटोरा और सहादतगंज थाने की पुलिस पहुंची। इसके साथ बाजार खाला एसीपी वीरेंद्र विक्रम सिंह समेत एसीपी ट्रैफिक भी पहुंचे। पुलिस ने बहुत समझाने की कोशिश की, लेकिन परिजन 50 लाख रुपए मुआवजे और एक सरकारी नौकरी की मांग पर अड़ हुए है। मौके पर गहमागहमी का माहौल है। परिजन तुषार जोशी ने बताया जब हम शव यात्रा ले जा रहे थे तो पुलिस ने हमें हैदरगंज चौराहे पर जाने से

रोका। इस दौरान खींचतान में शव का कफन अस्त–व्यस्त हो गया। शव यात्रा में शामिल लोगों के साथ धक्का–मुक्की भी की गई। मृतक के भतीजे निखिल जोशी ने बताया मेरे चाचा और चाची मेरी छोटी बहन को खाना देने के लिए अस्पताल गए थे। लौटते समय उनको डंपर ने टक्कर मार दी। चाचा गगन जोशी की शादी 6 महीने पहले हुई थी। चाची शगुन जोशी का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस के लोग बोलते हैं कि हम डंपर चालक को सजा नहीं दिला सकते। काकोरी के रहने वाले डंपर चालक राजेन्द्र कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डंपर भी जब्त किया है। गिरफ्तारी करने वाली पलिस टीम में थाना वजीरगंज प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी, एसआई सुरजीत सिंह कुशवाहा, सिपाही संजीत यादव की अहम भूमिका रही। एसडीएम ने बताया कि परिवार की जो भी मांग है। उसको प्रशासन के सामने रखा जाएगा। सरकार की योजनाओं का मृतकों के परिवार को लाभ दिया जाएगा। उच्च अफसरों के सामने इनका मांगपत्र भेजा जा रहा है। विधायक मध्य रविदास के समझाने पर परिजनों ने प्रदर्शन खत्म किया। शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। वजीरगंज इलाके में तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी सवार देवर–भाभी टक्कर को मार दी थी। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन– फानन दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। मृतकों की पहचान बाजारखाला क्षेत्र के पुराने जोशी टोला निवासी गगन जोशी (25) और उनकी भाभी रेखा जोशी (32) के रूप में हुई थी। गगन जोशी पेशे से पुरोहित थे। बुधवार शाम वे अपनी भाभी रेखा के साथ डालीगंज अस्पताल में भर्ती भांजी को खाना देने जा रहे थे, तभी रेलवे छत्ते के पास तेज रफ्तार डंपर ने उनकी स्कूटी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों डंपर के पिछले पहिए की चपेट में आ गए।

100 वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजातियों के 948 वृक्ष विरासत वृक्ष घोषित

रायबरेली,संवाददाता। हमारे देश में प्राचीन काल से ही वृक्षों के रोपण, संरक्षण एवं संवर्धन की परम्परा रही है। वृक्ष हमारे लिए महत्वपूर्ण संसाधन एवं हमारी सांस्कृतिक धरोहर के अभिन्न अंग हैं। प्रदेश में विलुप्त हो रही वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण एवं पौराणिक/ऐतिहासिक अवसरों, महत्वपूर्ण घटनाओं, अति विशिष्ट व्यक्तियों, स्मारकों, धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़े हुए वृक्षों को संरक्षित कर जन सामान्य में वृक्षों के प्रति जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता के दृष्टिगत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन द्वारा विरासत/हेरिटेज वृक्षों के चयन व अभिलेखीकरण हेतु मार्गनिर्देश निर्गत कर मार्ग निर्देश के अनुसार विरासत (हेरिटेज) वृक्षों के चयन व अभिलेखीकरण किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के द्वारा प्रदेश के गैर वन क्षेत्र (सामुदायिक भूमि) पर अवस्थित सौ वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजातियों–अर्स, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील, कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, एडनसोनिया, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दू व तुमाल के 948 वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित किया गया है। श्रद्धालु प्रसिद्ध गोरखनाथ धाम परिसर गोरखपुर में हनुमान मन्दिर के बायें स्थित विरासत वृक्ष बरगद पर श्रृद्धा रखते हुए वृक्ष की पूजा करते हैं। वट सावित्री व्रत के अवसर पर महिलायें कीर्तन व अखण्ड सौभाग्य की प्रार्थना करते हुए वृक्ष की परिक्रमा करती हैं। गोरखनाथ मन्दिर परिसर में हनुमान मन्दिर, काली मन्दिर के समीप व गौशाला के अन्दर स्थित बरगद व पाकड़ वृक्षों सहित गोरखपुर जनपद में 19 वृक्ष विरासत वृक्ष घोषित किए गए हैं। घोषित विरासत वृक्षों में लखनऊ व वाराणसी के क्रमशः दशहरी आम व लंगड़ा आम के मातृ वृक्ष (डवजीमत जतमम) फतेहपुर का बावन इमली, मथुरा के इमलीतला मन्दिर परिसर में अवस्थित इमली वृक्ष, प्रतापगढ़ का करील वृक्ष, बाराबंकी में स्थित एडनसोनिया वृक्ष, हापुड़ व संत कबीर नगर में अवस्थित पाकड़ वृक्ष, सारनाथ में अवस्थित बोधि वृक्ष, बाबा झारखण्डे के नाम से प्रसिद्ध अम्बेडकर नगर का पीपल वृक्ष एवं आर्डिनेन्स क्लॉथ फैक्ट्री शाहजहाँपुर में स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ा पीपल वृक्ष शामिल हैं। इनके अतिरिक्त विशिष्ट विरासत वृक्षों में चीनी यात्री ह्वेनसांग द्वारा उल्लिखित झूसी (प्रयागराज) का एडनसोनिया वृक्ष, मथुरा जनपद के टेर कदम्ब मन्दिर परिसर व निधि वन में अवस्थित पीलू वृक्ष, प्रयागराज के किले में अवस्थित अक्षयवट, उन्नाव जनपद में वाल्मीकि आश्रम, लव कुश जन्म स्थली व जानकी कुण्ड नाम से प्रसिद्ध स्थल पर अवस्थित बरगद वृक्ष एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए एन. बी.आर. आई, लखनऊ व महामाया देवी मन्दिर परिसर गाजियाबाद में अवस्थित बरगद वृक्ष भी शामिल है। मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 04 जुलाई, 2021 को "वन महोत्सव" एवं "वृक्षारोपण जनान्दोलन, 2021" का शुभारम्भ करने के उपरान्त सुल्तानपुर जनपद में कुँवासी बड़ाड़ाड़, ग्राम सभा व आस–पास गाँवों में 'महन्दावीर बाबा' व 'बूढ़े बाबा' के नाम से प्रसिद्ध बरगद वृक्ष की पूजा की गई। विरासत वृक्षों के आकर्षक चित्रों व महत्वपूर्ण जानकारियों से सुसज्जित बहुरंगी कॉफी टेबल बुक "उत्तर प्रदेश के विरासत वृक्ष" (भ्मतपजंहम ज्तममे व् न्जजंत च्तंकमेी) दो भाषाओं हिन्दी व अंग्रेजी में तैयार की गई। कॉफी टेबल बुक के प्रथम संस्करण में विरासत वृक्षों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी आकर्षक छायाचित्र, हिन्दी व संस्कृत नामों के साथ ही वानस्पतिक व स्थानीय नाम, जियो लोकेशन, आयु एवं मानचित्र दिया गया है। प्रदेश में अवस्थित विरासत वृक्षों के संरक्षण के प्रति जागरूकता व जन संवेदना उत्पन्न करने एवं विरासत वृक्ष स्थलों को पर्यटकों के लिए आकर्षण के केन्द्र के रूप में विकसित करने हेतु उच्च गुणवत्ता के छाया चित्रों का समावेश, वीडियो फिल्म एवं क्यू आर कोड आधारित सर्च सिस्टम विकसित कर कॉफी टेबल बुक का संशोधित व उन्नत द्वितीय संस्करण तैयार किया गया है। कॉफी टेबल बुक के प्रथम व द्वितीय संस्करण का विमोचन माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। विरासत वृक्षों पर आधारित कॉफी टेबल बुक के माध्यम से वृक्ष संरक्षण में स्थानीय समुदाय के प्रयासों को मान्यता, ईको पर्यटन को बढ़ावा एवं संरक्षण गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल रहा है। विरासत वृक्ष के संरक्षण व संवर्धन हेतु विरासत वृक्ष के चारों ओर फेंसिंग कर सुरक्षित करना एवं फेंसिंग पर फूलदार बेल लगाना, विरासत वृक्ष का परिचय व क्यू आर कोड अंकित करते हुए बोर्ड स्थापित करना, विरासत वृक्ष के चारों ओर नेचर ट्रेल व वॉकिंग ट्रैक का निर्माण, विरासत वृक्ष के समीप उपयुक्त स्थल पर सेल्फी प्वाइंट की स्थापना, विरासत वृक्षों के समीप बेंच का निर्माण, वृक्षो, वृक्षारोपण व जैव विविधता के प्रति जागरूकता व संवेदनशीलता विकसित करने हेतु वानिकी पर्वों व समय–समय पर विरासत वृक्ष के समीप जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन, विरासत वृक्ष के समीप विद्युत आपूर्ति व्यवस्था न होने की स्थिति में सोलर लाईट लगाया जाना, विरासत वृक्ष का नियमित रख रखाव हेतु स्थानीय व्यक्ति की सेवाएं प्राप्त करना एवं विरासत वृक्ष की सुरक्षा हेतु विविध प्रयास किये जाने की व्यवस्था की गई है। विरासत वृक्षों की सुरक्षा में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान प्राप्त करने, विरासत वृक्षों को जन संवेदना व जन भावना से जोड़कर वृक्षों के प्रति स्नेह, सद्भाव व अपनत्व की भावना विकसित करने एवं क्षेत्र में ईको पर्यटन को प्रोत्साहन देकर क्षेत्र की जैव विविधता का संरक्षण, संवर्धन व जैव विविधता के प्रति जागरूकता व संवेदनशीलता विकसित करने एवं क्षेत्र को पर्यटन मानचित्र में लाने की दिशा में सतत् प्रयास करने हेतु प्रदेश में 'विरासत वृक्षों का अंगीकरण योजना' प्रारम्भ की जा रही है।

सेमरपहा गांव में हुआ रामलीला मंचन का शानदार समारोह

लालगंज रायबरेली,संवाददाता। विजयादशमी के पावन अवसर पर सेमर पहा गांव में भगवान श्री राम की शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा में देवी देवताओं की सजी हुई झांकियां बहुत ही शोभायमान मान रही। गांव की गलियों से भ्रमण करते हुए शोभायात्रा गणेशन मंदिर रामलीला मैदान मेलास्थल पहुंची जहां बेहतरीन संवाद कार्यक्रम के बीच राम रावण का युद्धहुआ। अंत में भगवान श्री राम ने बुराइयों के प्रतीक रावण का वध किया और लोगों ने भगवान श्री राम की जय जयकार की। भक्तों ने विजय श्री प्राप्त होने पर भगवान राम की आरती उतारी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची कांग्रेस नेत्री श्रीमती सुधा द्विवेदी और विशिष्ट अतिथि लालगंज प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने भगवान श्री राम की आरती उतारी और माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया।इस मौके पर मेला कमेटी के द्वारा कांग्रेस नेत्री सुधा द्विवेदी और प्रभारी निरीक्षक प्रमोद सिंह का स्वागत सम्मान भी कियागया।मेले का भी लोगों ने जमकर लुफ्त उठाया ।जलेबी और चाट का आनंद लिया। वही मेरा कमेटी के मुख्य कार्यकर्ता राघव वाजपेई ने बताया कि सेमरपहा गांव की रामलीला 106 वर्ष पुरानी है। पहले चिमनी के उजाले में रात में रामलीला के कार्यक्रम होतेथे।इस अवसर पर रामलीला कमेटी के मुख्य संरक्षक गोपाल कृष्ण बाजपेई ,अध्यक्ष अमित अवस्थी, गोकुल ,डॉक्टर प्रेम शंकर मिश्रा ,विद्या भूषण ,मंटू वाजपेई, राघव बाजपेई ,विनय बाजपेई ,सोभनाथ, दशा दीन सैनी, शिव गणेश मौर्य ,नवनीत, राजू पाल, रज्जन मौर्य ,श्री कृष्णा मौर्य ,संतोष त्रिपाठी, जगदीश पाल ,महाराज दीन मौर्य, जगन्नाथ मौर्य ,विनय सविता आदि मौजूदरहे।

देवी देवताओं से सजी भगवान श्री राम की निकली शोभायात्रा, लोगों नेजगह-जगह उतारी आरती और की पुष्प वर्षा

लालगंज रायबरेली,संवाददाता। विजयादशमी के पावन अवसर पर लालगंज नगर में भगवान श्री राम की शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा में देवी देवताओं की सजी हुई झांकियां बहुत ही शोभायमान मान रही। नगर की गलियों से भ्रमण करते हुए शोभायात्रा रेलवे स्टेशन रोड रामलीला मैदान मेलास्थल पहुंची जहां बेहतरीन संवाद कार्यक्रम के बीच राम रावण का युद्धहुआ। अंत में भगवान श्री राम ने बुराइयों के प्रतीक रावण का वध किया और लोगों ने भगवान श्री राम की जय जयकारकी। भक्तों ने विजय श्री प्राप्त होने पर भगवान राम की आरती उतारी। मेले का भी लोगों ने जमकर लुफ्त उठाया ।जलेबी और चाट का आनंद लिया। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष रविंद्र मुरारका, उपाध्यक्ष पवन सिंह, मंत्री केसी गुप्ता, शंकर दयाल बाजपेई, हरिशंकर पांडे, व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेक शर्मा, जिला अध्यक्ष रोहित सोनी, अप्पू शर्मा मृत्युंजय बाजपेई, शिवम सोनी सुरेंद्र गुप्ता, शिवम गुप्ता, रामशरण अग्निहोत्री, प्रतीक शर्मा ,पुष्कर गुप्ता आदि सैकड़ो लोग मौजूदरहे। इस मौके पर सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह भारी दलबल के साथ मौजूदरहे।

वन विभाग के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम तहत कार्यक्रम में खजूर गांव में हुआ वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

लालगंजरायबरेली,संवाददाता। वन क्षेत्राधिकारी नीरज जोशी ने बताया कि सेवा पर्व के अंतर्गत खजूरगांव में आयोजित "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया गया । वृक्षारोपण कार्यक्रम मुख्य अतिथि सरेनी विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह के कर कमलों से संपन्न हुआ। वृक्षारोपण कार्यक्रम के मौके पर वन क्षेत्राधिकारी नीरज जोशी ने लोगों से पेड़ पौधे लगाने का आह्वान किया। साथ ही लगाए गए पेड़ों की सेवा पर भी ध्यान देनी का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। जब तक हम अधिक से अधिक पेड़ नहीं लगाएंगे, पर्यावरण संतुलित नहीं होगा। वही विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह ने वन विभाग के द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम संचालित करने की सराहना की है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और जापान के मंत्री महामहिम हिरोमासा नाकानो का सूरत हाई–स्पीड रेल परियोजना स्थल का दौरा

गोरखपुर। जापान के भूमि, आधारभूत संरचना, परिवहन और पर्यटन मंत्री महामहिम हिरोमासा नाकानो आज सूरत हवाईअड्डे पहुँचे, जहाँ उनका पारंपरिक गरबा से स्वागत किया गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महामहिम हिरोमासा नाकानो के साथ सूरत हाई–स्पीड रेल (बुलेट) निर्माण स्थल का दौरा किया। दोनों मंत्रियों ने परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्सों की समीक्षा की, जिनमें ट्रैक स्लैब लेयिंग कार और ट्रैक स्लैब एडजस्टमेंट फैसिलिटी शामिल थे। दोनों मंत्रियों ने काम की गुणवत्ता और गति पर संतोष व्यक्त किया और निर्माण की तेजी की सराहना की। यह दौरा भारत और जापान के बीच भारत की पहली हाई–स्पीड रेल परियोजना को आगे बढ़ाने में मजबूत सहयोग को दर्शाता है।

ब्लॉक स्तर पर भी कैंप लगाकर सुनीं जाए जनता की समस्याएंः प्रभारी मंत्री

रायबरेली,संवाददाता। मा0 मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम,खादी एवं ग्रामोद्योग,रेशम उद्योग,हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0 जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सचान ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ कानून–व्यवस्था की स्थिति एवं विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक,जनप्रतिनिधि सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मंत्री ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पात्र लाभार्थियों तक पहुँचे और किसी भी पात्र व्यक्ति को वंचित न रहने दिया जाए। उन्होंने बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, आवास, पोषण, कृषि एवं अन्य महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी कार्यों की गुणवत्ता उच्चस्तरीय होनी चाहिए और परियोजनाओं को निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरा किया जाए। बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया की कैंप लगाकर जनता की समस्याओं को सुना जाए और उसका समय से निस्तारण कराया जाए। सिंचाई विभाग को निर्देश दिया कि नहरों की सिल्ट साफ सफाई कराते समय स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनसे स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। वन विभाग को निर्देश दिया की पौध रोपण के बाद उनका संरक्षण आवश्यक कराया जाए। प्रभारी मंत्री ने स्वच्छता अभियान, पोषण माह, मिशन शक्ति, आयुष्मान भारत योजना तथा अन्य जनहित कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन पर विशेष बल दिया।

विधिक सलाहकार अमित आनन्द तिवारी (अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आरजू खान द्वारा सीता आफसेट, 75 पूराना किला केन्ट रोड हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित कराकर एच 615 मलेसेमऊ गोमतीनगर विस्तार लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक आरजू खान मोबाइल: 09415282000 फोन नं. 0522-2968200 RNI No: UPHIN/2016/67528 Email: statementttodaynews@gmail.com
AgencyChannel: www.statementtodaynews.com
राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखक के विचार व्यक्तिगत हैं किसी भी प्रकार के विवाद के समाधान के लिए न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा। (समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है)

डीएम से शिकायत करने वाली बच्चियों के स्कूल में जांच,अधिकारियों ने कैमरों के डीवीआर जब्त किए

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ डीएम से शिकायत करने वाली बच्चियों के स्कूल में जांच बैठ गई है। जिलाधिकारी के आदेश के बाद रविवार को स्कूल में जांच टीम पहुंच गई। टीम में अपर जिलाधिकारी (आपूर्ति) ज्योति गौतम, शिक्षा विभाग के अधिकारी, एसडीएम और बीएसए शामिल हैं। सभी अधिकारी तथ्यों की जानकारी जुटा रहे हैं। विद्यालय के सीसीटीवी डीवीआर जब्त किए। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बच्चियों ने शिकायत की थी उन्हें प्रिंसिपल मैडम मारती हैं।

रात में बाहरी लोग गाड़ियों से स्कूल में आते हैं। उनकी तरफ देखने पर प्रिंसिपल जान से मारने की धमकी देती हैं। इस पर डीएम ने एसडीएम और बीएसए को जांच के आदेश दिए। मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को डीएम विशाख जी. ने संपूर्ण समाधान

दिवस पर लोगों की शिकायतें सुनीं। यहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय खुजौली की छात्राएं भी पहुंची थीं। उन्होंने डीएम को बताया था सर, स्कूल में रात में कई लोग गाड़ियों से आते हैं।

मैडम धमकी देती हैं कि अगर यह बात किसी को बताई तो मारकर फेंक देंगे। स्कूल की बच्चियों ने डीएम को लिखित शिकायत में बताया विद्यालय की प्रिंसिपल और वार्डन उनसे झाड़ू–पोंछा लगवाती हैं। साथ ही बाथरूम साफ करवाती हैं। रात में 5–6 गाड़ियों से विद्यालय में आदमी आते हैं। किसी बच्ची ने अगर उधर देख लिया तो उसकी बेरहमी से पिटाई कर मैडम गाली देती हैं। छात्रों का कहना था कि उन्हें सही से भोजन भी नहीं मिलता है।

बच्चियों ने कहा है कि अब वह स्कूल नहीं जाएंगी। बच्चियां नवरात्रि और दशहरे की छुट्टियों पर घर पहुंचीं तो अभिभावकों से पूरी बात बताई। उन्हें अपनी चोटें भी दिखाईं। डीएम को दिए शिकायती पत्र में 86अभिभावकों ने सिग्नेचर किए हैं। इसमें बताया है कि बच्चों को यूनिफॉर्म और अन्य जरूरी सामान वे खुद दिलाते हैं। अभिभावकों ने यह भी बताया है कि प्रिंसिपल उनकी बच्चियों को जातिसूचक गालियां देती हैं। कहती हैं कि नीची जाति को हो नीची ही रहोगी। ब्राह्मण, यादव बनने की कोशिश मत करो। अभिभावकों का कहना है कि वे बच्चों को तब तक स्कूल नहीं भेजेंगे जब तक की प्रधानाचार्य और वार्डन निलंबित नहीं किए जाते। संबंधित वार्डन को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है।

एडीएम सिविल सप्लाई ज्योति गौतम, एसीएम–6 और एआर कोऑपरेटिव वैशाली सिंह की तीन सदस्यीय टीम घटना की जांच करेगी। अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

खेल–खेल में युवाओं को जोड़ेगी बीजेपी

लखनऊ,संवाददाता। अब बीजेपी खेल–खेल में युवाओं को जोड़ेगी। खेल मंत्रालय खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने के लिए सांसद खेल महोत्सव का आयोजन करवा रहा है, इसमें भाजपा की नजर युवाओं पर है। प्रतियोगिता में क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी जैसे खेलों के अलावा एथलेटिक्स और परंपरागत ग्रामीण खेलों का भी आयोजन होगा। ग्राम पंचायत और वॉर्ड स्तर से लेकर लोकसभा स्तर तक कई चरणों में प्रतियोगिताये होंगी, प्रतियोगिता पूर्व प्रधानमंत्री अटल जयंती 25 दिसंबर तक चलेगी।खेल महोत्सव की शुरुआत की तारीख 21 सितंबर थी और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 20 सितंबर तक होना था, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र मेंऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में दिक्कतें और प्रतियोगिता में ज्यादा से ज्यादा लोगों को मौका देने के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायतों और वॉर्डों में रजिस्ट्रेशन हो रहे है। प्रतियोगिता के लिए लोकसभा क्षेत्र में समन्वय की जिम्मेदारी सांसद की होगी। पहले ग्राम पंचायत और वॉर्ड स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। फिरमंडल, विधान सभा, जिला और फिर लोकसभा स्तर पर प्रतियोगिता होगी। इसके बाद देश भर में लोकसभा में विजयी खिलाड़ियों के बीच प्रतियोगिता होगी। इससे हमारी ग्रामीण युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलिबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो–खो, हैंडबॉल, 100 मीटर और 400 मीटर दौड़, शॉटपुट, लॉन्ग जंप, जैवलिन थ्रो, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, ताइक्वांडो, शतरंज, कुश्ती, योग, कलारियपट्ट, और मलखंभ सहित कई खेलों का आयोजन किया जाएगा। खेलों के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। प्रतिभावान खिलाड़ियों को कोचिंग, खेलो इंडिया सहित कई राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मौका मिलेगा। प्रतियोगिताओं का समन्वय खेल मंत्रालय और लोकसभा सदस्य करेंगे। खेल विभाग और जिला प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा। सांसद, विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता इसमें जुटेंगे। प्रतियोगिता का मकसद ग्रामीण क्षेत्र में छुपी युवा प्रतिभाओं को एक मंच देना है। पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की नजर युवाओं पर होगी जो उनके संपर्क में आएंगे तो उन्हें अपनी विचारधारा से प्रभावित किया जा सके। इससे खिलाड़ियों के अलावा आयोजकों, ग्रामीणों में पैठ बनेगी। कई युवाओं को पार्टी विचारधारा से प्रभावित करने के साथ ही संगठन से भी जोड़ा जा सकेगा।

ओबीसी वोट बैंक को साधने में जुटी कांग्रेस, यूपी के मंडलों में होंगे 'सामाजिक न्याय सम्मेलन'

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावी तैयारियों के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी अब पिछड़ा वर्ग को साधने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी क्रम में पार्टी ने प्रदेश भर के सभी मंडलों में सामाजिक न्याय सम्मेलन आयोजित करने का फैसला लिया है। इसकी शुरुआत राजधानी लखनऊ से की जाएगी। पार्टी के पिछड़ा वर्ग विभाग ने पिछले कुछ समय से ओबीसी समुदायों को एकजुट करने की कोशिशों को तेज किया है। अब कांग्रेस नेतृत्व के निर्देश पर इसे एक संगठित अभियान के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयसिंह ने प्रदेश इकाई को इसके लिए जरूरी निर्देश दे दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा अगले सप्ताह तक हो सकती है। इस कार्यकारिणी में पिछड़े वर्ग की सभी प्रमुख जातियों को प्रतिनिधित्व देने की तैयारी की गई है। प्रदेश पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मनोज यादव ने जानकारी दी कि सम्मेलन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी सूची को लेकर राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के बीच विचार–विमर्श हो चुका है, और अब सिर्फ शीर्ष नेतृत्व की अंतिम मुहर बाकी है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इन सम्मेलनों का मकसद न केवल ओबीसी नेताओं को एक मंच पर लाना है, बल्कि आम जनता तक यह संदेश पहुंचाना भी है कि पार्टी संसद से लेकर सड़क तक सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस का मानना है कि यह अभियान प्रदेश में पार्टी की सामाजिक आधार मजबूत करेगा और ओबीसी समुदाय के बीच कांग्रेस की मौजूदगी को पुनर्जीवित करेगा।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता वॉकथॉन,बड़ी संख्या में महिलाओं ने लिया हिस्सा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में रविवार को वॉकाथन के जरिए ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। परिवर्तन स्थल से परिवर्तन चौक तक वॉकाथन निकली। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस का उद्देश्य महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना और समय पर जांच व उपचार के महत्व को उजागर करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चिकित्सा स्वास्थ्य।

फर्जी होम लोन कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़,एसटीएफ ने दो ठगों को दबोचा

लखनऊ,संवाददाता। यूपी एसटीएफ ने फर्जी होम लोन कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एसटीएफ ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मिलकर लोगों को बैंक से होम लोन दिलाने के नाम पर फर्जीवाड़ा करते थे। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया है कि वे अब तक करोड़ों रुपए की ठगी कर चुके हैं। गिरफ्तारी एसटीएफ मुख्यालय लखनऊ से शनिवार देर रात करीब 10 बजे हुई। दोनों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, जहां प्रथम दृष्टया अपराध साबित होने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बीबी खेड़ा आवास विकास कॉलोनी पारा निवासी विनय कुमार श्रीवास्तव और राजाजीपुरम तालकटोरा निवासी दीपक रावत के रूप में हुई। एसटीएफ टीम ने आरोपियों के पास से भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए। इनमें 5 मोबाइल फोन, 7 एटीएम कार्ड, 4 पैन कार्ड, 3 आधार कार्ड, 1 ड्राइविंग लाइसेंस, 1 डेस्कटॉप (फर्जी दस्तावेज बनाने में इस्तेमाल), 103 लोन प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों की छायाप्रति, 28 हस्ताक्षरित चेक और 1 बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। एसटीएफ के अनुसार, आरोपी विनीत और दीपक अपने साथियों अभिषेक सोनी और अमित रस्तोगी के साथ मिलकर उन लोगों को निशाना बनाते थे जिन्हें मकान खरीदने के लिए होम लोन की जरूरत होती थी। वे खुद को 'आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड' से जुड़ा बताते थे और ग्राहकों को भरोसे में लेकर उनसे दस्तावेज व पैसे वसूलते थे। लोन फाइल तैयार कराने के नाम पर 11 हजार रुपए नकद और 10 हजार रुपए ऑनलाइन वसूले जाते थे। बाद में फर्जी लोन अप्रूवल लेटर व डिमांड ड्राफ्ट दिखाकर लाखों रुपए कमीशन, रजिस्ट्री और कोर्ट फीस के नाम पर ऐंठ लेते थे।